राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,02जुलाई2020 वर्ष–2, अंक –119 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में कोरोना संक्रमित छह लाख के पार, कई राज्यों ने चीन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा बढ़कर 6 लाख 4 हजार 808 हो गया है। इनमें से 17,848 लोगों की मौत हो गई है जबकि 3 लाख 59 हजार 926 ठीक हो चुके हैं। भारत कोरोनावायरस संक्रमण के मामले में अब जल्द ही रूस को पीछे छोड़ देगा। जिस तेजी से भारत में संक्रमण बढ़ रहा है उसके चलते भारत के अनेक प्रांतों दुनिया के कई बड़े देशों से संक्रमण के मामले में बहुत आगे निकल चुके हैं। बल्कि दिल्ली जैसे शहरों ने तो संक्रमण के मामले में चीन को भी पीछे छोड़ दिया है, जहां से यह संक्रमण पैदा हुआ था।

बुधवार को महाराष्ट्र में एक बार फिर 5,537 नए संक्रमित मरीज सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 1,80,298 हो गई। इनमें से 8,053 की मौत हो चुकी है जबकि 93,154 ठीक हो चुके हैं। तमिलनाडु में 3,882 नए मरीज मिलने के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 94,049 हो गई। इनमें से 1,264 की मौत हो चुकी है जबकि 52,926 हो चुके हैं। दिल्ली में बुधवार को कोरोनावायरस के 2,442 नए मामले सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 89,802 पहुंच गई जिनमें से 2,803 की मौत हो चुकी है जबकि 59,992 ठीक हो चुके हैं। गुजरात में भी 675 नए संक्रमित मरीज बढ़ने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 33,318 हो गई। इनमें से 1,848 की मौत हो चुकी है जबकि 24,038 मरीज ठीक हो चुके हैं। कर्नाटक में 1,272 नए मरीज मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 16,514 हो गई। इनमें से 253 की मौत हो चुकी है और 8,065 ठीक हो चुके हैं। तेलंगाना में 1,018 मरीज मिलने के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 17,357 हो गई जिनमें से 267 की मौत हो चुकी है और 8,082 ठीक हो चुके हैं।

बुधवार को आंध्रप्रदेश में 657,पश्चिम बंगाल में 611, हरियाणा में 353, मध्यप्रदेश में 268, ओडिशा में251, जम्मू कश्मीर में 198, केरल में 151, असम में 140 मरीज मिले।ट्रेंड को देखने से पता चलता है कि अब दक्षिण भारत में तेजीसे कोरोनावायरस फैल रहा है। तमिलनाडु – कर्नाटक – आंध्रप्रदेशऔर तेलंगाना जैसे राज्यों में तेजी से मरीज बढ़ रहे हैं। इन राज्यों में1000 से ऊपर मरीज मिल रहे हैं।

दिल्ली, तमिलनाडु जैसे राज्यों मेंअब चीन से ज्यादा कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। महाराष्ट्र में कोविड–19मामलों की संख्या जल्द ही सऊदी अरब का आंकड़ा पार करने वालीहै। गुजरात ने स्विट्जरलैंड को पीछे छोड़ दिया है।

भारत के दो राज्य– उत्तर प्रदेशऔर पश्चिम बंगाल ऐसे हैं जहां जल्द ही जापान से ज्यादा कोरोना संक्रमित हो जाएंगे। चार राज्यों– कर्नाटक, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में साउथ कोरिया से ज्यादा कोरोना संक्रमित हो गए हैं।

हाल के दिनों में पूर्वोत्तर के राज्यों में कोरोना के नए मामले तेजी से बढ़े हैं। मणिपुर और त्रिपुरा का आंकड़ा अब न्यूजीलैंड के कोरोना संक्रमित के करीब पहुंच गया है। वहीं पड़ोसी श्रीलंका से ज्यादा कोरोना संक्रमित उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड से आ चुके हैं।1 जून में भारत में कोरोना संक्रमित की वृद्धि दर 4.6: थी। उस वक्त 22 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश ऐसे थे जहां इससे ज्यादा तेजी से मामले बढ़ रहे थे। जून खत्म होने पर भी 10 राज्य ऐसे हैं जहां कोरोना की वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है।

1 जून को 12 राज्य/केंद्रशासित प्रदेश ऐसे थे जहां कोरोना से एक भी मौत नहीं हुई थी। अब यह आंकड़ा 8 हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

अगस्त के आखिरी सप्ताह में शुरू हो सकता है संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली। सरकार अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के पहले सप्ताह से संसद के मानसून सत्र की संभावना पर विचार कर रही है, जिसमें कार्यवाही के दौरान सदस्य उपस्थित हों। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सूत्रों ने यह भी कहा कि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं किया गया है और यह स्पष्ट करना मुश्किल होगा कि सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए सत्र कैसे आयोजित किया जाएगा। सरकार के सूत्रों ने कहा कि सत्र की अवधि और इसके आयोजन का तरीका सत्र की शुरुआत के समय मौजूदा स्थिति पर निर्भर करेंगे। हालांकि सरकार का इरादा पूर्ण सत्र आयोजित करने का है। सूत्रों ने कहा कि कई अध्यादेश हैं जिन्हें संसद में पेश करने की आवश्यकता है। इसलिए सत्र सामान्य अवधि का होगा। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संसद का मानसून सत्र निश्चित रूप से 22 सितंबर से पहले शुरू हो जाएगा क्योंकि दो सत्रों के बीच छह महीने से अधिक का अंतराल नहीं हो सकता है। संसद का बजट सत्र तीन अप्रैल तक निर्धारित था लेकिन उससे पहले ही 23 मार्च को सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। इनमें एक विकल्प यह भी है कि लोकसभा की बैठक केंद्रीय कक्ष (सेंट्रल हॉल) में हो वहीं राज्यसभा की बैठक लोकसभा में आयोजित की जाए। इस बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू सामाजिक दूरी जैसे मानदंडों के साथ संसद के मानसून सत्र आयोजित करने पर चर्चा करते रहे हैं। बिरला और नायडू दोनों ने भविष्य में विकल्प के तौर पर 'डिजिटल संसद की संभावना पर भी विचार किया है।

आनंदीबेन पटेल ने संभाला कार्यवाहक राज्यपाल का पदभार, आज मंत्रियों को दिलाएंगी शपथ

भोपाल। राज्यपाल लालजी टंडन का स्वास्थ्य समस्या के चलते उतरप्रदेश की राज्यपाल आंनदीबेन पटेल को मध्य प्रदेश का अतिरिक्े त प्रभार सौपा गया है। भोपाल में उन्होंने एक सादे राजकीय समारोह में मध्य प्रदेश के कार्यवाहक राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया। वे कल शिवराज कैबिनेट में शामिल होने वाले नए मंत्रियों को शपथ दिलाएंगी। वे आज दोपहर भोपाल पहुंची। इसके बाद मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अजय कुमार मित्तल ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान और पूर्व सीएम कमल नाथ भी मौजूद थे। आपको बता दें कि मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन का अपने गृह राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है और टंडन की अनुपस्थिति के दौरान आनंदीबेन को मध्यप्रदेश के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया गया है। जिक्रयोग है कि कल गुरुवार को शिवराज मंत्रिमंडल का विस्तार होने जा रहा है। कैबिनेट में शामिल होने वाले ने मंत्रियों को आनंदीबेन पटेल शपथ दिलाएंगी। कैबिनेट में शामिल होने वाले ने मंत्रियों को आनंदीबेन पटेल शपथ दिलाएंगी। आनंदीबेन पहले भी मध्य प्रदेश की राज्यपाल रह चुकी हैं। वह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल बनने से पहले 23 जनवरी 2018 से 28 जुलाई 2019 तक मध्य प्रदेश की राज्यपाल रहीं।

चाइनीज ऐप

प्रधानमंत्री मोदी ने छोड़ा चाइनीज ऐप (वीबो) चीन को दिया बड़ा संदेश...

नई दिल्ली।

59 चीनी ऐप्स पर बैन लगाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को चीनी सोशल मीडिया ऐप 'वीबो' पर अपना अकाउंट डिलीट कर दिया है, जिसके करीब 2.44 लाख फॉलोअर्स थे। पीएम ने इससे चीन को बड़ा संदेश दिया है। विश्वसनीय सरकारी सूत्रों ने बताया कि मोदी ने वेइबो को छोड़ने का फैसला किया है, जब देश ने 59 चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। वीआईपी खातों के लिए वीबो को छोड़ने के लिए एक अधिक जटिल प्रक्रिया है, यही वजह है कि आधिकारिक प्रक्रिया शुरू की गई थी, जो सूत्रों के अनुसार चीनी को सबसे अच्छी तरह से ज्ञात कारणों के लिए इस बुनियादी अनुमति देने में बहुत देरी हुई थी। प्रधानमंत्री के वीबो अकाउंट पर सभी पोस्ट, चित्र और टिप्पणियां हटा दी गई हैं, जिसमें दो पोस्ट भी शामिल हैं, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ तस्वीरें खिंचवाई थीं। वीबो सरकारी नियंत्रण और सेंसरशिप के लिए जाना जाता है, चीनी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से नरेंद्र मोदी के भाषण और सीमा रेखा पर भारत के आधिकारिक बयानों को हटा दिया गया है। देश की सीमा स्थिति के बारे में मोदी की 18 जून की टिप्पणी सोशल मीडिया ऐप वीचैट से हटा दिया गया है। प्रधानमंत्री की टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में गालवान घाटी में हिंसक घटना के बाद आई थी जिसमें 20 भारतीय सैनिकों ने 15 जून को अपनी जान गंवा दी थी। चीनी पक्ष ने अभी तक अपनी तरफ से हताहतों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। रूश के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव के बॉर्डर पर दिए बयान को भी आधिकारिक वीचैट अकाउंट से हटा दिया गया था।

प्रियंका गांधी वाड्रा को खाली करना होगा सरकारी बंगला, 1 महीने का मिला वक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस महाचसिव और उत्तर प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा को सरकार ने बंगला खाली करने को कहा गया है। कांग्रेस नेता से सरकार ने बुधवार को कहा कि वह अपनी एसपीजी सुरक्षा वापस लेने के बाद एक महीने के भीतर लुटियंस दिल्ली में अपना बंगला खाली कर दें। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी किए गए एक आदेश के अनुसार, गांधी को 1 अगस्त को या उससे पहले अपना बंगला खाली करने के लिए कहा गया था, जो नियमों के अनुसार क्षति शुल्क/दंड किराया को वसूल करेगा । सरकार ने पिछले साल नवंबर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बच्चों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) कवर को सीआरपीएफ द्वारा जेड प्लस सुरक्षा के साथ बदल दिया था। अधिकारियों ने कहा कि जेड प्लस सुरक्षा में इस तरह की सुविधा नहीं है और उसे 35 लोधी एस्टेट बंगला खाली करना होगा। सरकार ने पिछले साल नवंबर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बच्चों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) कवर को सीआरपीएफ द्वारा जेड प्लस सुरक्षा के साथ बदल दिया था। अधिकारियों ने कहा कि जेड प्लस सुरक्षा में इस तरह की सुविधा नहीं है और उसे 35 लोधी एस्टेट बंगला खाली करना होगा।

लद्दाख जाएंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, घायल सैनिकों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली।

सीमा पर लगातार बढ़ते तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लद्दाख के दौरे पर जाएंगें। लद्दाख में राजनाथ सिंह घायल सैनिकों से मुलाकात करने के लिए अस्पातल भी जाएंगें। राजनाथ सिंह के साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवाने भी शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख के दौरा पर होंगे। पिछले हफ्ते एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने लद्दाख और श्रीनगर हवाई अड्डों का दौरा किया था और क्षेत्र में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारतीय वायुसेना की तैयारियों की समीक्षा की थी। लेह रवाना होने से पहले जनरल नरवणे ने सेना के शीर्ष कमांडरों के दो दिवसीय सम्मेलन के अंतिम सत्र में हिस्सा लिया। कमांडरों ने पूर्वी लद्दाख में स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। वहीं भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गतिरोध को दूर करने के लिए दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई बैठक में सीमा पर प्राथमिकता के आधार पर तनाव कम करने पर जोर दिया गया। मुद्दों के सर्वमान्य समाधान के लिए भविष्य में दोनों पक्षों के बीच सैन्य और राजनियक स्तर पर और बैठकें भी होंगी। सूत्रों के अनुसार दोनों देशों के बीच लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की तीसरी बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि दोनों देश तनाव कम करने की दिशा में प्राथमिकता के आधार पर कदम उठायेंगे। पहली दो बैठकें चीनी क्षेत्र में होने के बाद मंगलवार को तीसरी बैठक भारतीय क्षेत्र के चुशूल में हुई जो करीब 12 घंटे तक चली जिसमें दोनों सेनाओं के बीच झड़प की जगह से सैनिकों को पीछे हटाने , सीमा पर तनाव कम करने और वास्तविक नियंत्रण रेखा से संबंधित सभी गतिविधियों और घटनाक्रम तथा आगे की योजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

अडानी से चीनी कंपनी का समझौता रद्द करने संबंधी याचिका दायर

नई दिल्ली। चीनी कंपनियों और भारत के विभिन्न राज्यों एवं खास व्यापारिक घराने -अडानी समूह- के साथ हुए व्यापार समझौते रद्द करने संबंधी याचिका बुधवार को उच्चतम न्यायालय में दायर की गयी। याचिकाकर्ता वकील सुप्रिया पंडित ने दोनों देशों के बीच जारी व्यापार नीति के खुलासे के निर्देश देने की भी मांग न्यायालय से की है।पंडित जम्मू कश्मीर की निवासी हैं। याचिका में अडानी समूह, केंद्र सरकार, गुजरात सरकार एवं महाराष्ट्र सरकार को प्रतिवादी बनाया गया है। अडानी समूह ने एक भारतीय बंदरगाह की निर्माण इकाई में 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने के लिए चीन की दिग्गज कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें गुजरात के मुंद्रा विशेष आर्थिक क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह समझौता चीन की बड़ी कंपनी ईस्ट होप ग्रुप के साथ हुआ है। इसमें गुजरात के मुंद्रा विशेष आर्थिक क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह समझौता चीन की बड़ी कंपनी ईस्ट होप ग्रुप के साथ हुआ है। याचिकाकर्ता का कहना है कि कुछ राज्य सरकार को चीन की कंपनियों के साथ कारोबार करने की मंजूरी देने से देश में गलत संदेश जाएगा और हिन्दुस्तानियों की भावनाओं के साथ मजाक होगा।

असम में बाढ़ से 25 लोगों की मौत, 15 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 25 हो गई है। हालांकि मंगलवार को बाढ़ में मामूली सुधार हुआ, लेकिन स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। यहां बाढ़ के कारण तीन और लोगों की मौत हो गई, जिससे बाढ़ में मरने वाले लोगों की संख्या 25 हो गई है। इस बीच देश के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। असम में एक आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, बाढ़ से प्रभावित कुल 25 जिलों में से दो जिले- उदलगुरी और कामरूप (शहर) में बाढ़ का पानी कम हुआ। बाढ़ ने 15 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित किया है और 25 लोगों की जान ले ली, जिनमें से तीन लोगों की मंगलवार को मौत हो गई, जिनमें दो बारपेटा जिले में और एक मौत डिब्रूगढ़ में हुई है। जिनमें से तीन लोगों की मंगलवार को मौत हो गई, जिनमें दो बारपेटा जिले में और एक मौत डिब्रूगढ़ में हुई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि धेमाजी, लखीमपुर, विश्वनाथ, चिरांग, नलबाड़ी, बारपेटा, बोंगईगांव, कोकराझार, धुबरी, दक्षिण सालमारा, गोलपारा, कामरूप, मोरीगांव, होजई, नौगांव, गोलाघाट, जोरघाट, माजुली, शिवसागर, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

नेपाल को भारत के खिलाफ मोहरा बना रहे चीन-पाकिस्तान

इंटरनेशनल डेस्क। चीन के साथ मिलकर इमरान भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम ओली का देंगे साथ पेशावर: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेपाल पीएम केपी शर्मा ओली को अपना समर्थन देने का फैसला किया है। दरअसल लद्दाख में चीन से बढ़ रहे तनाव और नेपाल के साथ तल्ख हो रहे सीमा विवाद को मौका देखते हुए पाकिस्तान भारत के खिलाफत का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। उधर भारत विरोधी नीतियों के चलते ओली को अपने ही देश में अपनी पार्टी के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ओली ने कहा कि नेपाल के हिस्से के रूप में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को चित्रित करने वाले देश के नए नक्शे को प्रकाशित करने को लेकर उनके खिलाफ साजिश हो रही है। रणनीतिकारों की मानें तो पाकिस्तान और चीन किसी में भी भारत से मुकाबला करने की हिम्मत नहीं है। ऐसे में दोनों देश एक-दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर चलाने की कोशिश में लगे हैं। हालांकि अब इन दोनों देशों को नेपाल के रूप में एक नया मोहरा मिल गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेपाल पीएम केपी शर्मा ओली को फोन करके भारत के खिलाफ भड़काते हुए समर्थन देने का फैसला किया है।

कमांडर लेवल की तीसरी बैठकः चीन का दावा बैच में हटाने पर राजी हुए दोनों देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से जारी तनाव को समाप्त किए जाने के लिए दोनों सेनाओं के लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की बैठक मंगलवार को देर रात तक चली। कई घंटों की बैठक के बाद दोनों देश बैच में सेना को हटाने के लिए राजी हो गए है। हालांकि, यह दावा चीन के मीडिया ने किया है। बैठक का कोई ब्योरा भारत की ओर से आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। तीसरे दौर की बैठक भारत की ओर से चुशूल में बुलाई गई थी। इससे पहले दो बैठक चीन के बुलावे पर मोल्डो में 6 जून और 22 जून को हुई थी। चीनी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि दोनों देशों के लेफ्टिनेंट जनरल ने मंगलवार को करीब 12 घंटे चली मैराथन बैठक के बाद यह फैसला लिया है। बैठक में तय किया गया कि तनाव कम करने के लिए दोनों देश अपनी सेनाएं बैच में हटाएंगे। बैठक का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और चीन की तरफ से पीएलए सेना के दक्षिणी शिंजियांग मिलिट्री डिस्ट्रिक के कमांडर मेजर जनरल लियु लिन ने किया। बैठक में कहा गया कि एलएसी पर तनाव घटाने की प्रक्रिया कठिन है। इस समय मनगढ़ंत और फर्जी रिपोर्टों से बचना चाहिए। बैठक में 6 जून को पहली बार कमांडर लेवल की बैठक में बनी आपसी समझ को लागू करने की बात कही गई। सूत्रों के अनुसार, दोनों तरफ से सकारात्मक सुझाव सामने आए हैं। दोनों देशों में मिलिट्री और डिप्लोमैटिक लेवल पर भी बातचीत हो सकती हैं। इसमें दोनों पक्षों ने जोर दिया कि एक कई फेज की बातचीत के जरिए धीरे–धीरे ही तनाव घटाया जा सकता है। इस दौरान आपसी विश्वास बढ़ाने, मतभेदों को दूर करने, एलएसी से सैनिकों को टुकड़ों में हटाने और हालात सामान्य बनाने पर सहमति बनी।

श्रीनगर में बुधवार को डल झील में शिकारी का आनंद लेती महिला। (फोटो)

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समझदारी की उम्मीद

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सीमा के मोल्डी इलाके में हुई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की बैठक का नतीजा न सिर्फ दोनों देशों के अरबों नागरिकों के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए सुकून भरा कहा जाएगा। गलवान घाटी में 15 जून के हिंसक संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्ते किस नाजुक मोड़ पर पहुंच गए थे, इसका अंदाजा इसी बात से लग जाना चाहिए कि भारत ने अपनी सेना को मौके पर हथियारों के इस्तेमाल की छूट दे दी है, बल्कि लेफ्टिनेंट कमांडर स्तर के दोनों वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को सहमति के बिंदु पर पहुंचने के लिए 10 घंटे से भी अधिक बात करनी पड़ी है। खबर है कि दोनों देश एलएसी पर अपनी-अपनी सेना को पीछे हटाने को तैयार हो गए हैं। निस्संदेह, दोनों पक्षों से इसी समझ-बूझ की दरकार थी। लेकिन यह समझदारी जमीनी स्तर पर दिखनी चाहिए, क्योंकि 6 जून को भी सैन्य अधिकारी एक सहमति बना चुके थे। उसके बाद 15 जून की दुखद घटना घटी। अपने 20 जवानों की शहादत से भारतीय जनता बेहद आहत और आक्रोशित है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि चीन से लगी सरहद पर दशकों से शांति थी, जिसे चीन ने भंग किया। हाल के दिनों में पूर्वी लद्दाख में उसका रवैया दादागिरी भरा रहा है और भारत को यह कतई मंजूर नहीं है। लेकिन जैसा कि अक्सर होता है, हरेक देश अपनी सरहद की हिफाजत के लिए सर्वोच्च पराक्रम दिखाता है, और अंततः प्रतिपक्षियों को वार्ता की मेज पर बैठना पड़ता है। इसलिए श्रेष्ठतम रणनीति यही है कि नुकसान के बाद वार्ता करने की बजाय बातचीत के जरिए नुकसान की आशंका निर्मूल कर दी जाए। जब तक दोनों देशों के बीच सीमा-विवाद का निपटारा निर्णायक रूप से नहीं होता, तब तक ऐसी स्थितियों की आशंका से बचने का एकमात्र रास्ता यही है कि सीमा पर हम अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करें। निस्संदेह, हाल के वर्षों में इस दिशा में काम हुए भी हैं। सड़कें बनी हैं, हेलीपैड बने हैं, मगर चीन के मुकाबले ये अब भी कुछ नहीं हैं। अब हम अच्छे रिश्तों के आधार पर भी अपनी सीमाओं और सैन्य जरूरतों से गाफिल नहीं रह सकते। भारत की सरहदें खास तौर से दो पड़ोसियों की अलग-अलग रणनीति का निशाना बनती रही हैं। पाकिस्तान जहां अपनी दहशतगर्दी की विदेश नीति को अंजाम देने के लिए इससे घुसपैठ की ताक में रहता है, तो चीन विस्तारवादी रणनीति के तहत इसके अतिक्रमण के फिराक में। बीजिंग अब एक दबाव के तौर पर भी इस नुस्खे को आजमाने लगा है। यह महज संयोग नहीं है कि पिछले दो महीने से कोविड-19 के संक्रमण के मामले में वह डब्ल्यूएचओ में घिरता हुआ महसूस कर रहा था, और लगभग इसी समय उसने लद्दाख में अपनी सक्रियता बढ़ाई, यह जानते हुए कि भारत डब्ल्यूएचओ में एक जिम्मेदार ओहदे पर बैठ रहा है। इसलिए उससे लगी सीमाओं को लेकर हमें एक मुकम्मल नीति बनानी होगी। इसमें दो राय नहीं कि भारत और चीन आज दुनिया की दो बड़ी शक्तियां हैं। उनमें सीमित सैन्य टकराव भी किसी एक के लिए कम नुकसानदेह नहीं होगा। इसलिए समझदारी इसी में है कि दोनों देश बातचीत से अपने मतभेदों को पाटें और ऐसा माहौल बनाएं, जिससे सीमा-विवाद पर ठोस बातचीत का रास्ता खुले। महामारी से कराह रही मानवता को आज इन दोनों से सर्वश्रेष्ठ अक्लमंदी की आशा है।

हमले का रंज, कुप्रबंधन की हताशा

गुरबचन जगत

गत पंद्रह और सोलह जून को लद्दाख से आई खबर हिलाकर रखने वाली थी। मेरी प्रतिक्रिया थी—अरे नहीं, फिर से नहीं। ऐसा कहने के पीछे पिछले संदर्भ हैं, क्योंकि पुनः एक बार हम अचानक घिर गए हैं और कारगिल, पुलवामा की तरह इस दफा लद्दाख में भी भारी जानी नुकसान झेलना पड़ा है। किसी आधिकारिक विज्ञप्ति के अभाव में अफवाहों का बाजार गर्म रहा, बताने को हर न्यूज चैनल और अखबार के पास अपना अलग आंकड़ा और विवरण था। आमतौर पर विभिन्न मंत्रालयों द्वारा आधिकारिक विवरण देने के लिए बाकायदा एक वरिष्ठ प्रवक्ता रहता है, फिलवक्त उनकी जरूरत सबसे ज्यादा है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से अफवाहें चलने लगती हैं और बहुत से लोग उन पर यकीन भी करने लगते हैं। ताजा प्रसंग में रक्षा मंत्रालय को उच्च स्तर पर आधिकारिक विवरण जारी करना चाहिए था। डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशंस) ने पुलवामा आतंकी घटना के समय प्रेसवार्ता करी थी-इस मर्तबा क्यूं नहीं? इसकी अनुपस्थिति में हर कोई अपने उच्चस्तरीय सूत्रों का हवाला देकर अपने-अपने रूपांतरण पर जोर दे रहा था। चीनी हमले में शहीद हुए अधिकारियों और जवानों की सही संख्या, यहां तक कि बंधक बनाए जाने वालों की गिनती को लेकर काफी कयासबाजी रही। कुछ का कहना था कि जवान नदी में डूबने या ठंड से जमने की वजह से वीरगति को प्राप्त हुए हैं। पूरा देश 'इंतजार करो और देखो' के हालात में था। यह केवल 17 जून को हो पाया, जब रक्षा मंत्रालय ने शहीद और जख्मी हुए अपने सैनिकों की आधिकारिक संख्या के बारे में बताया, जबकि दुश्मन को क्या नुकसान हुआ या उसके कितने सैनिक पकड़े गए, इसका कहीं कोई जिक्र नहीं था। 19 जून को अखबार 'द हिंदू' ने फिर से अपने 'उच्च रक्षा सूत्रों' का हवाला देते हुए दावा किया कि चीन ने हिरासत में लिए 10 भारतीय सैनिकों को छोड़ा है। हम लोगों की इस पर कोई स्थिति साफ नहीं थी। किसी खबर का हवाला दिए बिना रक्षा अधिकारियों ने घोषणा की थी कि सैनिकों की गिनती पर अब कोई संशय बाकी नहीं है। अब मूल घटना पर आएं, तो हम ऐसे कैसे अचानक घिर सकते हैं जबकि माहौल हफ्तों पहले से बनने लगा था? यहां तक कि लद्दाख में रहने वाला एक आम आदमी भी बता सकता है कि उसे गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो भू-भाग में 'फिंगर चोटियों' वाले इलाके में बनते जा रहे हालात का इल्म था। हमें विश्वास दिलाने के लिए कहा जा रहा है कि सेना के स्तर पर वार्ता चल रही थी और तनाव घटाने के लिए चंद उपायों पर सहमति बनी थी और दोनों पक्षों ने अपने सैनिक पीछे हटाना मान लिया था। फिर अचानक कुछ गलत हुआ और कयामत टूट पड़ी और उक्त वार्ता और निगरानी के आलोक में हो रही सैनिक वापसी की प्रक्रिया के बावजूद हमें नुकसान उठाना पड़ा है। यह सब कैसे हो गुजरा और हम अचानक कैसे घिर गए? निःसंदेह राजनीतिक नेतृत्व एवं रक्षा अधिकारियों को स्थानीय सैनिक कमांडरों के बीच हुई बातचीत और ठीक इसी वक्त उक्त इलाके में बनने वाले चीनी सैन्य जमावड़े का जरूर पता रहा होगा। आज जबकि हमारे पास आधुनिक निगरानी तंत्र, जिसमें उपग्रह भी शामिल हैं, इनके अलावा अन्य बाहरी खुफिया एजेंसियां और खुद सेना का अपना खुफिया तंत्र है, तो अवश्य ही इन्होंने सीमांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों में आई तेजी के बारे में चेताया होगा, खासकर डोकलाम में हो चुके अनुभव के आलोक में यह होना स्वाभाविक था। अब हमें टेलीविजन पर बताया जा रहा है कि उस इलाके में नए चीनी ढांचे बने और सैनिकों, गाड़ियों, भारी सैन्य उपकरणों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। खैर, गफलत के पीछे के कारणों की पड़ताल संबंधित प्रशासन को करनी है। मायूसी हुई है कि न तो दिल्ली में बैठे किसी अति विशिष्ट राजनेता ने और न ही उच्चस्तरीय सैन्य अधिकारी ने इस विपत्ति में लद्दाख पहुंचना गवारा किया, युद्धस्थल पर जाना तो दूर की बात है। उन्हें यह बताने वाला कोई नहीं था कि 'दुबारा ऐसा नहीं होने देंगे'। पुनश्चः सवाल यह पैदा होता है कि क्यूं नहीं कोई अग्रिम मोर्चे तक पहुंचा और फौजी अधिकारियों-सैनिकों-घायलों से जाकर मिला, इस पर क्या बहाना है? क्या यह राष्ट्रीय हानि नहीं और इस घड़ी में उच्च राजनीतिक नेतृत्व का वहां पहुंचकर जायजा लेना नहीं बनता था? गमज़दा पूरा देश यही होते देखना चाहता था। बहरहाल, अब आखिरी अध्याय पर आएं, मुझे पुलवामा घटना की अभी भी याद है, जैसा कि जम्मू-कश्मीर में काम कर चुके किसी बावर्दी सुरक्षाकर्मी को होगी। उस वक्त जब शहीदों के शव दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर लाए गए थे तो पूरे देश ने झुककर श्रद्धांजलि दी थी। हमारा प्रतिनिधित्व करने उच्चतम राजनेता और सैन्य अधिकारी वहां सम्मान देने गए थे। इस आधिकारिक श्रद्धांजलि के बाद शहीदों की पार्थिव देह उनके मूल नगर व गांवों को भेजी गई थी, जहां उनका अंतिम संस्कार स्थानीय अधिकारियों और परिवार वालों की मौजूदगी में किया गया था। इस बार वैसा क्यों नहीं, यह भेदभाव क्यूं? क्या गलवान के शहीदों का बलिदान पुलवामा के शहीदों से कमतर है? क्या वे इस लायक नहीं थे कि उन्हें पालम तक लाया जाता ताकि राष्ट्रीय स्तर पर अंतिम विदाई दी जा सके? मुझे पूरा यकीन है कि इसके पीछे अपने कारण हैं-शायद यह मौका फायदेमंद नहीं लगा था। अब वह जो हम सब कहना चाहते हैं : अगली बार सैनिक अचानक न घिरने पाएं, राष्ट्रीय स्तर पर जानकारी देने वाला प्रवक्ता होना चाहिए जो जितनी जल्दी संभव हो, हमें सटीक विवरण दे। साथ ही वीवीआईपी/वीआईपी की मौजूदगी में शहीदों को राष्ट्रीय सम्मान मिले। राजकाज चलाने के तौर-तरीकों में भी हमें उच्चस्तर पर मूल बदलाव लाना होगा-चाहे मामला आंतरिक सुरक्षा का हो या अर्थव्यवस्था का या कोई अन्य राष्ट्रीय स्तर की समस्या का, जैसे कि कोविड-19 महामारी या फिर मजदूर पलायन—एक राष्ट्रज एक राष्ट्रीय सर्वसम्मति में होनी चाहिए। ऐसे समय पर सत्ताधारी और विपक्ष दोनों ही निष्पक्ष रवैया अपनाएं, निर्णय अधिनायकवादी तरीके से न लेकर सबकी सहमति से किए जाएं। हमें अपने प्रतिष्ठानों को सुदृढ़ करना होगा और उनकी जिम्मेवारी तय करनी होगी, क्योंकि जो फैसला एक मजबूत प्रतिष्ठान ले सकता है उसकी जगह व्यक्तिगत प्रयास कभी नहीं ले पाएगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हमें याद रखना होगा कि हमारा देश गुट-निरपेक्ष आंदोलन का संस्थापक और विदेश नीति में पंचशील सिद्धांत अपनाने वालों में पहला रहा है, जिसकी वजह से दशकों तक दुनिया और खासकर पड़ोसी देशों में हमारी इज्जत है। पाकिस्तान को छोड़कर लगभग सभी मुल्कों के साथ संबंध दोस्ताना रहे हैं। जबकि आज की तारीख में नेपाल तक भारत से खफा हुआ बैठा है और उसके साथ भी सीमा विवाद छिड़ गया है। लेख का अंत सोवियत नेता नीकिता ख्रुश्चेव द्वारा 1955 में कहे शब्दों से करना चाहूंगा : 'हम आपके इतने करीबी हैं कि अगर पहाड़ की चोटी पर खड़े होकर आवाज देंगे तो हम वहां भी मदद को पहुंच जाएंगे।'ज्क्या आज हमारे पास कोई ऐसा मित्र बचा है? लेखक यूपीएससी के अध्यक्ष एवं मणिपुर के राज्यपाल रह चुके हैं।

आज के ट्वीट

कोरोनिल

आयुर्वेद, सनातन से नफरत करने वालों के लिए बुरी खबर आयुष मंत्रालय ने पतंजलि की दवाई 'कोरोनिल' को प्रमाणित कर दिया है, बाकायदा एक पत्र जारी कर के कहा है कि दवाई ने सभी नियम, कानून, मापदंडों का पालन किया है अब कोई रोक नहीं कोरोनिल का विरोध करने वाले अब बरनोल खोज रहे हैं. - अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

डिप्रेशन

सद्गुरु/ मैं ये जो कुछ कह रहा हूं वह इसलिए नहीं है कि मुझे आप के बारे में कोई चिंता नहीं है या मैं संवेदनहीन हूं लेकिन इसलिए कि आपको जो हो रहा है, उसका स्वभाव, उसकी प्रकृति यही है। अगर आप खुद को डिप्रेशन की स्थिति में ला रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप पर्याप्त मात्रा में तीव्र भावनाएं और विचार अपने मन में पैदाकर रहे हैं, लेकिन गलत दिशा में। अगर किसी विशेष बात के लिए आप की भावनाएं बहुत प्रबल नहीं हैं या आप के विचार अत्यन्त तीव्र नहीं हैं तो आप का मन निराश नहीं हो सकता, आप डिप्रेशन में नहीं हो सकते। बात बस ये है कि आप ऐसे विचार और भावनाएं पैदा कर रहे हैं जो आप के खिलाफ काम कर रही है, आप के लिए नहीं। तो अपने आपको डिप्रेशन की स्थिति में लाने के लिए आप पर्याप्त रूप से समर्थ हैं। ज्यादातर डिप्रेशन खुद अपने ही बनाए हुए होते हैं। बहुत कम ही लोग वास्तव में किसी रोग के कारण डिप्रेशन में होते हैं। वे कुछ नहीं कर सकते, उनका डिप्रेशन अंदर से, किसी आनुवांशिक कमज़ोरी या ऐसे ही किसी अन्य कारण से होता है। बाकी लगभग सभी लोगों को पागल किया जा सकता है क्योंकि स्थिर मानसिकता और पागलपन की सीमारेखा में अंतर बहुत ही पतला, महीन होती है। लोग इसे लगातार धक्का मारते रहते हैं, इसे पार करने में लगे रहते हैं। जब आप गुस्सा होते हैं तब आप इस बीच के अंतर को कम कर देते हैं। वास्तव में आप जानते भी हैं कि आप इस रेखा को पार कर रहे हैं, अंतर को कम कर रहे हैं। इसीलिये कई बार लोग ऐसा कहते हैं, 'मैं आज उस पर (गुस्से से) पागल हो गया था।' कृपया देखिये, आप किसी पर पागल नहीं होते, आप बस पागलपन की ओर जा रहे होते हैं। आप 'किसी पर पागल' नहीं हो सकते। आप बस स्थिर मानसिकता की सीमारेखा को कुछ समय के लिए लांघते हैं, पागलपन की अवस्था तक पहुंचते हैं और फिर वापस आ जाते हैं। आप इसे रोज क्यों नहीं आजमाते? हर दिन 10 मिनट, किसी पर जबरदस्त, तीव्र गुस्सा करके देखें! आप देखेंगे कि 3 महीनों में आप, डिप्रेशन के रोगी हो जाएंगे। हां, क्यों नहीं? अगर आप चाहते हैं तो ऐसा कीजिए, कोशिश कीजिए! क्योंकि अगर आप उस सीमा रेखा को पार करते रहेंगे, अगर आप रोज पागलपन करते रहेंगे तो एक दिन आप बिल्कुल वापस नहीं आ पाएंगे।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

पहले अस्पतालों का इलाज कीजिए

लक्ष्मीकांता चावला

किसी भी देश को पांवों पर खड़े करने के लिए जरूरी है कि वहां शिक्षा सबको प्राप्त हो और स्वास्थ्य सेवाएं सबके लिए सहज उपलब्ध हों। विधायक की भूमिका में मेरी प्राथमिकता रही है कि सब्सिडी, अनुदान आदि केवल शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए दिया जाए अर्थात दवाई और पढ़ाई सबसे ऊपर है ताकि कोई जन्म लेकर इसलिए अनपढ़ न रह जाए क्योंकि वह धनहीन है और कोई इसलिए अस्पताल की दहलीज पर तड़प-तड़प कर न मर जाए क्योंकि वह गरीब है। दूर क्या जाना, अभी कल की ही घटना है। पंजाब के एक सरकारी अस्पताल में बच्चे को जन्म देने के लिए गई महिला रातभर कुर्सी में बैठे तड़पती रही, असह्य पीड़ा तो सहनी ही पड़ी, पर उसका बच्चा दम घुटने से जन्म से पहले ही चला गया। अब सवाल यह है कि पिछले सात दशक में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार क्यों नहीं हुआ? निःसंदेह कोरोना की बीमारी ने सरकारी सेवाओं की आंखें खोल दीं। मैंने देश के बहुत से अस्पतालों का कार्य देखा। केरल और गुजरात के अहमदाबाद के अस्पताल जैसा कोई भी सरकारी अस्पताल और कहीं नहीं मिला। शायद इसी का परिणाम है कि कोरोना का पहला मरीज केरल में मिलने के बावजूद कोरोना नियंत्रण में आ गया। उसके बाद तो देश में साढ़े चार लाख से ज्यादा मरीज हो गए। सवाल है कि सरकारी, गैर-सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं आम आदमी की पहुंच से बाहर क्यों हैं? निःसंदेह पूरा देश पूरी हिम्मत के साथ कोरोना से लड़ रहा है, पर जो बड़े-बड़े प्राइवेट अस्पतालों में लूटखसूट चल रही है, उसको रोकने वाला कोई नहीं। एक टीवी चैनल द्वारा दिल्ली के अस्पताल की लूट का भंडाफोड़ किए जाने के बाद अब देश के गृह मंत्रालय और दिल्ली सरकार ने वहां तो प्राइवेट अस्पताल का रेट तय कर दिया है, पर वह भी एक दिन में 18 हजार रुपये है जो कि पहले अस्सी हजार से एक लाख तक था। कहीं-कहीं निगेटिव कोरोना रोगी को पॉजिटिव कह देना और प्राइवेट अस्पतालों के साथ जोड़ देना, यह धंधा जोर-शोर से शुरू हो गया है। देश में सरकारी अस्पताल और स्कूल का मतलब यह रहा कि एक संविधान में दी गई ड्यूटी पूरी करने के लिए स्कूल भी खोलने हैं और अस्पताल भी। स्कूल में स्टाफ पूरा है या नहीं अथवा अस्पताल में डॉक्टर हैं या नहीं, दवाइयां सरकार द्वारा भेजी गई हैं अथवा नहीं, इसकी किसी को कोई चिंता नहीं। वर्षों पहले हम यह देखते थे कि जब कोई उच्चाधिकारी, मंत्री अस्पताल में दर्शन देने आएं तो झटपट नई चादरें बिछ जाती थीं। सिरहाने के गिलाफ बदले जाते थे। स्थिति आज भी नहीं बदली, पर प्रश्न यह है कि पंजाब समेत देश में डॉक्टरों के पद खाली क्यों हैं? डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को पूरा वेतन क्यों नहीं दिया जाता? ठेके पर रखकर उनसे काम करवाना। प्रश्न यह भी है कि आखिर कैसे ये डॉक्टर इतने मरीजों को रोगमुक्त कर रहे हैं जबकि कोरोना का वैक्सीन अभी बना ही नहीं। खुशी की बात है कि 54 प्रतिशत के लगभग रोगी ठीक होकर घर वापस चले गए। इतने कम साधनों में अपने जीवन को खतरे में डालकर काम करने वाले डॉक्टरों को समाज पूरा सम्मान क्यों नहीं देता? वैसे भी राजनीतिक हस्तक्षेप से डॉक्टरों को लगातार जूझना होता है। निरीक्षण में डॉक्टर तब तक खड़ा रहेगा जब तक डीसी, एसडीएम या मंत्री आदि उसे बैठने के लिए न कहेंगे। दुख तो यह भी है कि प्रशासनिक अधिकारी जब चाहें योग्य डॉक्टर को डांट सकते हैं, अपमानित भी कर सकते हैं। आज की आवश्यकता यह है कि अस्पतालों की हालत सुधारी जाए। दवाई पूरी दी जाए। कोरोना की लड़ाई तो जिस हालत में है उससे लड़ना ही है, पर प्राइवेट अस्पतालों की लूट-खसूट पर नकेल डाली जाए। यह जानकारी सरकारी, गैर-सरकारी तंत्र दे रहा है कि कोरोना के साथ जीना पड़ेगा लेकिन कोरोना का इलाज भी तो करना है न। जनता को इलाज चाहिए। क्या यह विषमता नहीं कि सिविल अस्पताल में ही कोरोना टेस्ट करवाने के लिए गर्मी में दर्जनों लोग धक्के खाते खड़े हैं, पर इसमें डॉक्टर का कोई दोष नहीं। इस शासन का दोष है। प्रतिदिन शाम को यह जानकारी दी जाती है कितने रोगी और कोरोना ग्रस्त हो गए तो फिर उतने रोगियों के लिए पहले तैयारी क्यों नहीं? क्यों नहीं बड़े-बड़े पैलेस, होटल और धार्मिक भवन खाली करवाकर वहां रोगियों को रखा जाता? डॉक्टर्स, सहयोगी पैरामेडिकल स्टाफ, दवाइयां, स्थान और टेस्ट के प्रबंध करवाना सरकार की जिम्मेवारी है। सरकार के मालिक जो अपने को जनप्रतिनिधि कहते हैं वे तो जनता के खून-पसीने की कमाई से दुनियाभर में इलाज करवाने चले जाते हैं। अगर भारत सरकार और प्रांतीय सरकारें थोड़ी-सी भी संवेदना रखती हैं तो उन्हें जनप्रतिनिधियों को दी जाने वाली यह सुविधा एकदम बंद कर देनी चाहिए। यह सुविधा नहीं लूट है। इसकी कोई सीमा भी नहीं है। न खर्च की सीमा है, न भौगोलिक। बीस हजार किलोमीटर दूर जाकर भी इलाज करवा सकते हैं, पर अपने यहां देश में कई बार देखा कि कोई अपने परिजन की लाश को ही साइकिल पर या कंधे पर घसीटता ले जाता है या एम्बुलेंस न मिलने पर गांव के लोग चारपाई पर ही रोगी को उठाकर अस्पताल तक पहुंचाते हैं। यह स्वतंत्र देश में शोभा नहीं देता।

बैन के बाद टिकटॉक के सीईओ ने भारतीय कर्मचारियों को लिखी चिट्ठी, भेजा ये संदेश

बिजनेस डेस्क । भारत सरकार की ओर से चीन के 59 ऐप्स पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद के सीईओ ने भारत में कर्मचारियों को एक लेटर लिखा है। इस लेटर में कहा गया है कि इस प्लेटफॉर्म को देश में एक दुर्भाग्यपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ा रहा है लेकिन हितधारकों के साथ मिलकर इस समस्या से निपटने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन 59 ऐप्स पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें टिकटॉक भी शामिल है। बाइटडांस टिकटॉक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हेलो का मालिक है जिसे चीन के बाहर अपने सबसे बड़े बाजार के रूप में गिना जाता है। भारत में ञ्दृद्ब-ञ्शद्ब के 200 मिलियन यूजर्स हैं। भारतीय कानून के तहत डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा आवश्यकताओं का पालन करने के लिए टिकटॉक हमेशा प्रतिबद्ध है और रहेगा। किसी भी भारतीय टिकटॉक यूजर की कोई भी जानकारी विदेशी सरकार या चीनी सरकार को नहीं दी गई है। हमें स्पष्टीकरण और जवाब देने के लिए संबंधित सरकारी हितधारकों से मिलने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये कठिन समय है लेकिन कंपनी अपने टिकटॉक क्रिएटर कम्युनिटी के वेलफेयर के लिए प्रतिबद्ध है, जब तक कि यह अंतरिम आदेश लागू नहीं हो जाता। मेयर ने कहा कि टिकटॉक ने देश भर के आर्टिस्ट, स्टोरीटेलर और एजुकेटर को आनंद लेने के लिए लाखों करोड़ों यूजर को सक्षम किया है यहां तक कि लोगों की कमाई का एक साधन भी बना है। के सीईओ ने कहा, हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमने 2,000 से अधिक मजबूत कर्मचारियों को भी आश्वासन दिया है कि हम सकारात्मक अनुभव और अवसरों को बहाल करने के लिए अपनी तरफ से सब कुछ करेंगे, जिस पर उन्हें गर्व हो सकता है।

ताजा सौदों की लिवाली से बिनौलातेल खली वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। एक जुलाई (भाषा) हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को बिनौलातेल खली की कीमत 50 रुपये की तेजी के साथ 2,011 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी। एनसीडीईएक्स में बिनौलातेल खली के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 50 रुपये अथवा 2.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,011 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 42,590 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी प्रकार, बिनौलातेल खली के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 36 रुपये अथवा 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,074 रुपये प्रति क्विन्टल हो गयी जिसमें 22,210 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि पशुचारा निर्माता कंपनियों की बढ़ती मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से यहां वायदा कारोबार में बिनौलातेल खली कीमतों में तेजी आई। बाजार सूत्रों ने कहा कि पशुचारा निर्माता कंपनियों की बढ़ती मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से यहां वायदा कारोबार में बिनौलातेल खली कीमतों में तेजी आई।

हाजिर मांग और वैश्विक संकेतों से चांदी वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली । एक जुलाई (भाषा) मजबूत हाजिर मांग और वैश्विक संकेतों के कारण वायदा कारोबार में बुधवार को चांदी की कीमत 98 रुपये की तेजी के साथ 49,749 रुपये प्रति किग्रा हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 98 रुपये अथवा 0.2 प्रतिशत की तेजी के साथ 49,749 रुपये प्रति किग्रा हो गयी जिसमें 702 लॉट के लिए कारोबार हुआ।बाजार विश्लेष्र्कों ने कहा कि घरेलू बाजार में तेजी के रुख के कारण बाजार विश्लेष्र्कों ने कहा कि घरेलू बाजार में तेजी के रुख के कारण कारोबारियों की ताजा लिवाली बढ़ने से चांदी वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 18.77 डॉलर प्रति औंस हो गई।

चीन को एक और झटका, नितिन गडकरी ने कहा- हाइवे प्रोजेक्ट्स में बैन होंगी चीनी कंपनियां

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

भारत और चीन के जारी तनाव के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एंव राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि भारत के हाइवे प्रोजेक्ट में चीन की कंपनियां शामिल नहीं हो पाएंगी। अगर वो किसी भारतीय या फिर अन्य कंपनी के साथ ज्वाइंट वेंचर बनाकर भी बोली लगाती हैं तो भी उन्हें शामिल नहीं किया जाएगा। गडकरी ने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि चीनी निवेशकों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (स्न्स्रूश्वह्य) जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी निवेश से रोका जाए। नितिन गडकरी ने बताया कि हम सड़क निर्माण के लिए चीनी भागीदारों वाले संयुक्त उद्यमों को अनुमति नहीं देंगे। हमने कड़ा रुख अपनाया है कि अगर वे (चीनी कंपनियां) संयुक्त उद्यम के जरिए आते हैं, तो हम इसकी अनुमति नहीं देंगे। गडकरी ने बताया कि जल्द इससे जुड़ी नई नीति आएगी। जिसमें चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने और भारतीय कंपनियों को राजमार्ग परियोजनाओं में ढील देने के नियम तय किए जाएंगे। मौजूदा समय में कुछ ही परियोजनाएं जो बहुत पहले की गई थीं उनमें कुछ चीनी कंपनियां शामिल हैं। गडकरी ने कहा कि ये फैसला नए प्रोजेक्ट पर लागू होगा।

विनिर्माण क्षेत्र में मंदी से कुछ राहत, क्षेत्रीय लॉकडाउन से बाधित हुई मांगझ : पीएमआई

नयी दिल्ली। एक जुलाई (भाषा) एक मासिक सर्वेक्षण के मुताबिक विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में जून में कुछ स्थायित्व आया, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर लॉकडाउन बढ़ाने के कारण कारोबार की स्थिति बिगड़ी रही। आईएचएस मार्किट इंडिया विनिर्माण परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जून में 47.2 पर रहा। यह सूचकांक मई में 30.8 था। सर्वेक्षण के मुताबिक सुधार के बावजूद भारत में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां जून में लगातार तीसरे महीने कम हुईं। पीएमआई के 50 से ऊपर रहने का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री इलियट केर ने कहा कि भारत का विनिर्माण क्षेत्र जून में स्थिरीकरण की ओर बढ़ा, हालांकि क्षेत्रीय स्तर पर लॉकडाउन को बढ़ाने से मांग में कमी देखी गई। सर्वेक्षण के मुताबिक मांग में लगातार गिरावट के कारण जून में रोजगार में और कमी हुई। भारत का विनिर्माण क्षेत्र जून में स्थिरीकरण की ओर बढ़ा, हालांकि क्षेत्रीय स्तर पर लॉकडाउन को बढ़ाने से मांग में कमी देखी गई। सर्वेक्षण के मुताबिक मांग में लगातार गिरावट के कारण जून में रोजगार में और कमी हुई।

सेल ने रेलवे को आर-260 ग्रेड रेलों की आपूर्ति शुरू की

नयी दिल्ली। एक जुलाई (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड (सेल) ने रेलवे की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए आर-260 ग्रेड की विशेष वैनेडियम अलॉयड रेलों को तैयार किया है। कंपनी ने इसकी आपूर्ति भी शुरू कर दी है जिसकी पहली खेप 30 जून को भेजी गयी। सेल के निदेशक अनिर्बन दास गुप्ता ने एक बयान में कहा कि कंपनी के भिलाई संयंत्र में इन आर-260 ग्रेड की रेलों को तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, ''भारतीय रेलवे के कड़े तकनीकी मानकों और बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए भिलाई संयंत्र अपनी प्रक्रियाओं में ज़रूरी बदलाव कर लगातार नए मूल्यवर्द्धित उत्पादों के विकास में जुटा है। यह वैनेडियम अलॉयड रेल ट्रेन की उच्च गति से पटरियों पर पड़ने वाले दबाव की सहन शक्ति बढ़ाएंगी।'' भारतीय रेलवे अधिक स्पीड और एक्सल लोड की रेल सेवा की ओर बढ़ रहा है। इसी के मद्देनजर सेल ने आर-260 ग्रेड की रेलों का सफलतापूर्वक उत्पादन शुरू किया है। ये रेलें भारतीय रेलवे 550 मेगा पास्कल से अधिक की उच्च शक्ति के साथ न केवल कठिन बल्कि और अधिक दबाव वाली रेल यातायात को सहन करने में सक्षम होगी बल्कि और अधिक टिकाऊ भी बनकर उभरेगी। सेल भारतीय रेलवे को इस रेल की आपूर्ति 260 मीटर लंबे वेल्डेड पैनल के रूप में कर रही है। इसे भारतीय रेल के शोध एवं विकास प्रखंड (आरडीएसओ) के दिशानिर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है।

कोरोना काल में मारुति ने बेची 57,428 गाड़ियां, हुंडई की बिक्री भी बढ़ी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने जून के बिक्री के आंकड़े जारी किए हैं। मई में कंपनी ने 18,539 गाड़ियां बेची थी जबकि जून में उसकी बिक्री 57,428 यूनिट रही। हालांकि, पिछले साल यानी 2019 जून में मारुति ने 1,24,708 कारें बेची थी। इस तरह पिछले साल के मुकाबले कंपनी की बिक्री में 54 फीसदी की गिरावट आई है। कोरोना वायरस लॉकडाउन की वजह से देश में मारुति के सभी शोरूम बंद थे, इसीलिए मई में उसकी बिक्री में गिरावट आई थी लेकिन अनलॉक-1 में मिली छूटी के बाद वाहनों की बिक्री में तेजी आई है। कंपनी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में कुल बिक्री 57,428 यूनिट रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 53,139 यूनिट रही जबकि उसके 4,289 गाड़ियों का निर्यात किया। जून तिमाही में कंपनी कुल 76599 वाहन बेचे। इनमें उसकी घरेलू बिक्री 66165 यूनिट रही। कंपनी ने कहा कि जून 2020 के दौरान उसकी बिक्री के आंकड़ों को कोविड-19 महामारी, लॉकडाउन और सुरक्षा प्रतिबंधों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। कंपनी का कहना है कि वह वैल्यू चेन के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कटिबद्ध है। सभी प्लांट में उत्पादन बढ़ाया जा रहा है लेकिन साथ ही नियमों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। कंपनी ने बयाया कि उसने जून में 4,289 इकाइयों का निर्यात किया जो पिछले साल के समान महीने के मुकाबले 56.4 प्रतिशत कम है। इस दौरान ऑल्टो और वैगनआर जैसी छोटी कारों की बिक्री 10,458 यूनिट्स रही, जो 44.2 फीसदी कमी को दर्शाता है। इसी तरह स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसे मॉडलों वाले कॉम्पैक्ट खंड में

बिक्री 57.6 प्रतिशत घटकर 26,696 इकाई रही। मझोले आकार की सेडान सियाज की बिक्री पिछले महीने 553 इकाई रही, जबकि सालभर पहले की समान अवधि में यह 2,322 इकाई थी। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने भी जून में 26820 गाड़ियां बेची। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसकी सभी नई-पुरानी गाड़ियों को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। कंपनी ने जून में घरेलू बाजार में 21320 वाहन बेचे। साथ ही 5500 गाड़ियां विभिन्न देशों को निर्यात कीं। कंपनी ने कहा कि वह भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के लिए समर्पित है।

श्रीकांत माधव वैद्य इंडियन आयल कार्पोरेशन के नये चेयरमैन बने

नयी दिल्ली। एक जुलाई (भाषा) श्रीकांत माधव वैद्य ने बुधवार को देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के चेयरमैन का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने संजीव सिंह का स्थान लिया है। सिंह 30 जून 2020 को सेवानिवृत हुए। आईओसीएल ने एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी देते हुये कहा कि वैद्य इंडियन आयल के चेयरमैन होने के साथ ही चेन्नई पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन आयलटैंकिंग लिमिटेड के भी चेयरमेन होंगे। चेन्नई पेट्रोलियम आईओसी की अनुषंगी कंपनी है जबकि इंडियन आयलटैंकिंग एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। श्रीकांत माधव वैद्य रत्नागिरी रिफाइनरी एण्ड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के प्रमुख का भी कार्यभार संभालेंगे और वह पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के निदेशक मंडल में निदेशक भी होंगे। आईओसीएल का चेयरमैन बनने से पहले वैद्य कंपनी के निदेशक मंडल में निदेशक (रिफाइनरी) के तौर पर अक्टूबर 2019 से काम कर रहे थे। वक्तव्य में कहा गया है, ''राउरकेला के नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टैक्नालाजी से कैमिकल इंजीनियर वैद्य को रिफाइनिंग और पेट्रोरसायन परिचालन के क्षेत्र में 34 साल का व्यापक अनुभव है। उनकी देश के सबसे बड़े क्रैकर कारखाने -- पानीपत नाफ्था क्रेकर परिसर-- के साथ एक दशक लंबी पारी रही है।

जीएसटी संग्रह जून में 90,917 करोड़ रुपये रहा, पहली तिमाही में राजस्व 59 प्रतिशत घटा

नयी दिल्ली(एजेंसी)।

एक जुलाई (भाषा) सरकार ने जून में जीएसटी से 90,917 करोड़ रुपये एकत्र किए। ये आंकड़ा मई में 62,009 करोड़ रुपये और अप्रैल में 32,294 करोड़ रुपये था। पिछले वर्ष की तुलना में जून 2020 में जीएसटी संग्रह नौ प्रतिशत कम था, जबकि इसमें मई के दौरान 62 प्रतिशत और अप्रैल के दौरान 28 प्रतिशत गिरावट हुई थी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान जीएसटी संग्रह में 59 फीसदी की गिरावट हुई। कोविड-19 महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के कारण ऐसा हुआ, जिसके कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, ''जून, 2020 में एकत्र सकल जीएसटी राजस्व 90,917 करोड़ रुपये रहा, जिसमें सीजीएसटी 18,980 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 23,970 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 40,302 करोड़ रुपये (माल के आयात पर जमा किए गए 15,709 करोड़ रुपये सहित) और उपकर 7,665 करोड़ रुपये हैं।'' सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा में राहत दी है। जून 2020 के दौरान अप्रैल, मार्च और यहां तक कि फरवरी के रिटर्न भी दाखिल किए गए वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण चालू वित्त वर्ष में राजस्व प्रभावित हुआ। इसके अलावा सरकार द्वारा महामारी के कारण रिटर्न फाइल करने और करों के भुगतान में राहत देने से भी कर संग्रह कम रहा है। हालांकि, पिछले तीन महीने के आंकड़े क्रमिक रूप से जीएसटी राजस्व में सुधार को दिखा रहे हैं। बयान के मुताबिक जून में पंजाब, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, असम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे राज्यों के कर संग्रह में बढ़ोतरी देखी गई। इसके अलावा पूर्वोत्तर राज्यों जैसे सिक्किम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश में भी इस महीने के दौरान राजस्व में वृद्धि देखी गई। ईवाई टैक्स के पार्टनर अभिषेक जैन ने कहा कि जीएसटी संग्रह में पहली तिमाही के दौरान साफ तौर पर गिरावट देखने को मिली है, लेकिन जून में सुधार के संकेत देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व में कमी और इसके साथ राज्यों के राजस्व में गिरावट के चलते केंद्र का दायित्व है कि वह राज्यों को क्षतिपूर्ति करे, जो एक चिंता का विषय है।

सोना ही नहीं, चांदी से भी हो रही है निवेशकों की चांदी

नई दिल्ली। सोने के प्रति भारतीयों की दीवानगी हमेशा से रही है लेकिन अभी इसे लेकर अभूतपूर्व क्रेज देखा जा रहा है। अचानक भारतीय सोने के बेस्ट इनवेस्टर बनकर उभर रहे हैं। अभी सोने को लेकर निवेशकों में होड़ मची हुई है और हर कोई सोने में निवेश की सलाह दे रहा है। यही वजह है कि इसकी कीमतें आसमान छू रही हैं। लेकिन क्या आपने इस बात पर गौर किया है कि चांदी भी सोने को कड़ी टक्कर दे रही है। मार्केट एक्सपर्ट कुणाल बोथरा के मुताबिक चांदी की कीमतों में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 16 मार्च को 1450.98 डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गया था जबकि चांदी का भाव 18 मार्च को 11.61 डॉलर प्रति ओंस था। लेकिन इसके बाद से सोने के भाव में 24 फीसदी तेजी आई है जबकि चांदी की कीमत 59 फीसदी बढ़ी है। इससे साफ है कि कोविड-19 के कारण आई गिरावट के बाद चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया है। चांदी करीब चार साल बाद एक तिमाही में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंची है। हालांकि चांदी को 2011 के अपने रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है। तब चांदी की कीमत 49-50 डॉलर प्रति ओंस पहुंच गई थी।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और आवास मूल्य सूचकांक में हुई बढ़ोतरी: आरबीआई

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुताबिक देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 64.9 अरब डॉलर की बढोतरी हुई, जबकि इसमें वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान 11.7 अरब डॉलर की कमी हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा कि भंडार में हुई इस वृद्धि में मूल्यांकन प्रभाव समायोजित हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि भुगतान संतुलन के आधार पर (मूल्यांकन प्रभाव को छोड़कर) विदेशी मुद्रा भंडार में वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 59.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जबकि वित्त वर्ष 2018-19 में इसमें 3.3 अरब डॉलर की गिरावट हुई थी। इसके अतिरिक्त रिजर्व बैंक ने जानकारी दी कि बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में आवास मूल्य सूचकांक एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 3.9 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि, इससे पिछली तिमाही की तुलना में इसमें 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई। रिजर्व बैंक ने 2019-20 की चौथी तिमाही के लिए अपना तिमाही आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई) जारी किया है। एचपीआई की गणना 2010-11 के आधार वर्ष पर होती है। यह सूचकांक 10 प्रमुख शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, जयपुर, कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ और मुंबई के आवास पंजीकरण प्राधिकरणों से मिले लेनदेन स्तर के आंकड़ों पर आधारित है। बयान में कहा गया है कि अखिल भारतीय एचपीआई तिमाही दर तिमाही आधार पर 0.2 प्रतिशत घट गया। इसकी मुख्य वजह दिल्ली, बंगलूरू, अहमदाबाद और जयपुर में घरों की कीमतों में गिरावट है। तिमाही आधार पर मुंबई में घरों के दाम सबसे अधिक बढ़े। हालांकि, सालाना आधार पर अखिल भारतीय एचपीआई चौथी तिमाही में 3.9 प्रतिशत बढ़ गया।

Google Chrome एक्सटेंशन इन्स्टॉल करते वक्त रहें सावधान

बिजनेस डेस्क(एजेंसी)।

देश की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने बुधवार को कहा कि इंटरनेट उपभोक्ताओं को गूगल क्रोम के एक्सटेंशन को इन्स्टॉल करते वक्त सतर्कता बरतनी चाहिए क्योंकि कपंनी ने 100 से अधिक ऐसे लिंक हटाए हैं जो उपभोक्ताओं के ''संवेदनशील'' डेटा को एकत्रित कर रहे थे। भारत के साइबर स्पेस की रक्षा करने वाली और साइबर हमलों से मुकाबला करने वाली एजेंसी 'द कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ऑफ इंडिया' (सीईआरटी-इन) ने कहा कि उसने यह भी पाया कि इन एक्सटेंशन में ऐसे कोड्स थे जिनकी मदद से इन्हें गूगल क्रोम के वेब स्टोर की सुरक्षा जांच से छिपाया जा सकता था। कंपनी ने कहा कि निजता को खतरे में डालने वाले इन लिंक्स में स्क्रीनशॉट लेने, क्लिपबोर्ड को पढ़ने, उपभोक्ताओं के पासवर्ड को पढ़ने तथा अन्य गोपनीय सूचना हासिल करने की क्षमता थी। एजेंसी ने परामर्श में कहा, एक्सेटेंशन उपभोक्ताओं के वेब सर्च के नतीजे बेहतर करने, फाइलों को एक फॉरमेट से दूसरे में बदलने जैसे टूल के रूप में दिए जा रहे थे और कुछ एक्सटेंशन सुरक्षा जांच के रूप में काम कर रहे थे।'' संघीय साइबर सुरक्षा एजेंसी ने यूजर्स को गूगल क्रोम एक्सटेंशंस को हटाने (अनइन्स्टॉल करने) का सुझाव दिया है। कंपनी ने कहा कि यूजर क्रोम एक्सटेंशंस पेज पर जा सकते हैं और डेवलपर मोड को चालू करके यह देख सकते हैं कि कोई खतरे वाला एक्सटेंशन तो उनके पास इन्स्टॉल नहीं है और फिर उसे अपने ब्राउजर्स से हटा सकते हैं। एजेंसी ने इंटरनेट उपभोक्ताओं को केवल वे एक्सटेंशंस इन्स्टॉल करने की सलाह दी है जिनकी बेहद जरूरत है और ऐसा करने से पहले उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएं देखने के लिए कहा है। उसने कहा कि ऐसे एक्सटेंशंस अनइन्स्टॉल कर दें जिनकी जरूरत नहीं है। एक्सटेंशंस इन्स्टॉल न करें। उसने कहा कि ऐसे एक्सटेंशंस अनइन्स्टॉल कर दें जिनकी जरूरत नहीं है। साथ ही अपुष्ट स्रोतों से एक्सटेंशंस इन्स्टॉल न करें।

चीन को एक और झटका, बीएसएनएल और एमटीएनएल ने रद्द किया अपना 4जी टेंडर

बिजनेस डेस्क(एजेंसी)।

भारत ने चीन को एक और झटका दिया है। बीएसएनएल और एमटीएनएल ने अपना 4त्र टेंडर रद्द कर दिया है। अब दोबारा नया टेंडर जारी किया जाएगा। सरकार ने इन दोनों कंपनियों को चीन की कंपनियों से सामान ना खरीदने का निर्देश दिया था, जिसके बाद टेंडर को निरस्त कर दिया गया है। अब नए टेंडर में मेक इन इंडिया और भारतीय टेक्नॉलजी को प्रोत्साहन देने के लिए नए प्रावधान होंगे। गौरतलब है कि बीएसएनएल और एमटीएनएल पर सबसे अधिक चीनी प्रोडक्ट खरीदने का आरोप लगा था। इसके बाद सरकार ने निर्देश जारी किया था कि सरकारी कंपनियां चीन की कंपियों से सामान खरीदने से परहेज करें। टेलीकॉम मंत्रालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया था कि 4जी फैसिलिटी के अपग्रेडेशन में किसी भी चाइनीज कंपनियों के बनाए उपकरणों का इस्तेमाल न किया जाए। पूरे टेंडर को नए सिरे से जारी किया जाए। सभी प्राइवेट सर्विस आपरेटरों को निर्देश दिया जाएगा कि चाइनीज उपकरणों पर निर्भरता तेजी से कम की जाए। इससे पहले एमटीएनएल और

बीएसएनएल ने 4जी नेटवर्क के लिए चीनी कलपुर्जे का इस्तेमाल नहीं करने का निर्णय लिया था। इसके अलावा चीन को झटका देने के लिए रेलवे ने 471 करोड़ रुपए का सिगनलिंग प्रोजेक्ट रद्द कर दिया था।

साथ ही ने मोनोरेल से जुड़ी चीन की 2 कंपनियों का टेंडर रद्द कर दिया।

देश की तीसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया ने बनाया घाटे का रिकार्ड

बिजनेस डेस्क(एजेंसी)।

देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने बुधवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सांविधिक बकाए का प्रावधान करने के बाद मार्च 2020 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान उसकी शुद्ध हानि 73,878 करोड़ रुपये रही। यह किसी भी भारतीय कंपनी को हुई अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक हानि है। न्यायालय ने आदेश दिया था कि सांविधिक बकाए की गणना में गैर-दूरसंचार आय को भी शामिल किया जाएगा, जिसके बाद कंपनी को 51,400 करोड़ रुपये चुकाने हैं। कंपनी ने कहा कि इस देनदारी के कारण कंपनी का कामकाम जारी रहने को लेकर गंभीर संदेह पैदा हुए। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने शेयर बाजार को बताया कि मार्च तिमाही के दौरान उसका शुद्ध नुकसान 11,643.5 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान तिमाही के दौरान 4,881.9 करोड़ रुपये था और अक्टूबर-दिसंबर 2019 तिमाही में 6,438.8 करोड़ रुपये था। कंपनी

ने बताया कि मार्च 2020 तिमाही के दौरान परिचालन से आय 11,754.2 करोड़ रुपये रही। बीते वित्त वर्ष के दौरान कंपनी को 73,878.1 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

वोडाफोन आइडिया को वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान 14,603.9 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने मदद के लिये जुटाये 13 लाख रूपये

नयी दिल्ली। एक जुलाई (भाषा) भारतीय के शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ियों शरत कमल और जी साथियान कोरोना वायरस महामारी के दौरान खेल से जुड़े 130 से अधिक जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता देंगे जिन्होंने चैरिटी फंड में 13 लाख रूपये से अधिक जुटा लिये हैं । पहले इनका लक्ष्य दस लाख रूपये इकट्ठा करके 100 सदस्यों की मदद करना था लेकिन पूर्व खिलाड़ी नेहा अग्रवाल की मदद से उन्होंने 13 लाख रूपये से अधिक जुटा लिये हैं और वे टेबल टेनिस समुदाय के 130 सदस्यों की मदद करके सभी को दस दस हजार रूपये देंगे । अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग के प्रमोटर वीता दाणी और नीरज बजाज ने भी योगदान दिया है । यह रकम उन खिलाड़ियों, कोचों और अंपायरों को दी जायेगी जिन पर महामारी की गाज बुरी तरह गिरी है । शरत ने कहा ,'' पहले हम सौ सदस्यों की मदद करना चाहते थे लेकिन पैसा अच्छा इकट्ठा होने के बाद हमने 30 और को जोड़ने का फैसला किया है ।हम रविवार तक दान ले रहे हैं जिसके बाद तय करेंगे कि कितनों की मदद करनी है ।'' शरत और साथियान पहले चेन्नई में आठ स्थानीय कोचों की मदद के लिये एकत्र हुए थे । बाद में नेहा भी उनसे जुड़ी और 'अवर चांस टू सर्व' पहल के जरिये पैसा इकट्ठा किया ।

शतरंज

शतरंज का सबसे बड़ा आयोजन फीडे ओलंपियाड ऑनलाइन कराने की घोषणा !

मॉस्को (एजेंसी)। शतरंज का सबसे बड़ा आयोजन शतरंज ओलंपियाड इस वर्ष मॉस्को मे होने वाला था जिसे कोविड के कारण रद्द कर दिया गया था पर अब अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ 22 जुलाई से 30 अगस्त, 2020 के बीच ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है यह पहला मौका होगा जब करीब 185 देशो के खिलाड़ी किसी ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट मे खेलते नजर आएंगे । इस बार भारतीय टीम कमाल दिखा सकती है ! क्यूंकी फॉर्मेट के हिसाब से भारतीय टीम के सबसे मुख्य खिलाड़ी इसे बेहद मजबूत बना सकते है प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ी शामिल होंगे, मिश्रित प्रारूप में न्यूनतम तीन महिला खिलाड़ी और दो जूनियर खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगे । विशेष रूप से, प्रत्येक टीम में शामिल होना चाहिए । 1- टीम मे कम से कम 1 खिलाड़ी -20 (2000 या उसके बाद पैदा हुआ) इस स्थान के लिए भारत के ये दो नन्हें सितारे निहाल सरीन और प्रग्गानंधा बड़े दावेदार हो सकते है अगर हम इस सूची मे नजर डाले तो निहाल इसमे सबसे आगे नजर आते है और उसके बाद प्रग्गानंधा और अन्य खिलाड़ियों का नंबर आता है तो हम यह मान सकते है की टीम मे निहाल या फिर प्रग्गानंधा शामिल हो सकते है जो इसे बेहद रोमांचक बना देगा 2- कम से कम 2 महिलाएं ।

वैसे तो अगर हम दो महिला खिलाड़ियों की बात करे तो कोनेरु हम्पी और हरिका सबसे बेहतर नजर आती है पर अगर किसी एक को चुनना हुआ तो वह हम्पी हो सकती है । 3- कम से कम 1 लड़की -20 (2000 या उसके बाद पैदा हुई) चूकी नियमानुसार एक महिला खिलाड़ी जो 20 वर्ष से कम हो को चुना जाना है 3- कम से कम 1 लड़की -20 (2000 या उसके बाद पैदा हुई) चूकी नियमानुसार एक महिला खिलाड़ी जो 20 वर्ष से कम हो को चुना जाना है तो ऐसे मे आर वैशाली के अभी के प्रदर्शन को देखते हुए उनका चुना जाना एकदम तय है ।

तो अगर इस तरह देखे तो 1 जूनियर खिलाड़ी मे निहाल ,एक महिला खिलाड़ी हम्पी और एक महिला जूनियर खिलाड़ी वैशाली को ले तो फिर बचे तीन प्रमुख स्थान पर भारत के शीर्ष 3 आनंद ,हरि और विदित शामिल हो सकते है और यह पूरा समीकरण भारत को वाकई बेहद खतरनाक टीम बना देगा टीमों में अधिकतम छह सदस्य हो सकते हैं, साथ ही एक टीम के कप्तान भी। टाइम कंट्रोल प्रति मिनट 15 मिनट + 5 सेकंड होगा इस आयोजन में दो मुख्य चरण शामिल होंगे। डिवीजन चरण , और प्ले-ऑफ चरण कुल मिलाकर इसे 16 राउंड मे सम्पन्न किया जाएगा ।

विजडन : सचिन को पछाड़ 21 वीं सदी के 'सबसे उपयोगी खिलाड़ी बने रविंद्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आक्रामक हरफनमौला रविंद्र जड़ेजा को विजडन मैगजीन ने 21वीं सदी का भारत का सबसे उपयोगी टेस्ट खिलाड़ी चुना है। जडेजा को 97.3 एमवीपी रेटिंग मिली है और वह दुनिया के दूसरे सबसे उपयोगी खिलाड़ी बने हैं। पहले स्थान पर श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन हैं। खास बात यह है कि जडेजा ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। जडेजा ने कहा- भारत के लिए खेलना एक सपना था और सबसे उपयोगी खिलाड़ी का सम्मान मिलना गर्व की बात है। उन्होंने कहा- मैं अपने प्रशंसकों, साथी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को उनके प्यार और सहयोग के लिये धन्यवाद देता हूं। जडेजा ने 2012 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद से 49 टेस्ट खेलकर 1869 रन बनाए जिसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 213 टेस्ट विकेट भी लिए हैं। क्रिकविज के विश्लेषण के मुताबिक दुनिया के हर क्रिकेटर को मैच में उनके योगदान के आधार पर 'एमवीपी रेटिंग' दी जाती है। क्रिकविज के फ्रेडी विल्डे ने कहा- जडेजा का नाम देखकर हैरानी हुई होगी। वह तो टेस्ट टीम का नियमित सदस्य भी नहीं है। उसने हालांकि जब भी खेला है, मैच में उसका योगदान जबर्दस्त रहा है। उन्होंने कहा- उसका बल्लेबाजी और गेंदबाजी औसत 10.62 रन इस सदी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। उसने एक हजार से अधिक रन बनाए और 150 से ज्यादा विकेट लिए हैं।

सबसे उपयोगी प्लेयर का तमगा मिलने पर रविंद्र जडेजा हुए खुश यह बात

नई दिल्ली । विजडन मैगजीन द्वारा 21वीं सदी का भारत का सबसे उपयोगी टेस्ट खिलाड़ी चुने जाने पर रविंद्र जडेजा बेहद खुश हैं। उन्होंने ट्विट कर अपनी खुशी जाहिर की है। जडेजा ने ट्विट में लिखा है- शुक्रिया, विजडन इंडिया ने मुझे 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' बनाने के लिए धन्यवाद दिया। मैं अपने सभी साथियों, कोचों, प्रशंसकों और शुभचिंतकों को आपके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि मेरा उद्देश्य हमारे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। जय हिन्द। जडेजा ने 2012 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद से 49 टेस्ट खेलकर 1869 रन बनाए जिसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 213 टेस्ट विकेट भी लिए हैं। टेस्ट में उनका योगदान अहम है। उनका बल्लेबाजी और गेंदबाजी औसत 10.62 रन इस सदी में दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने एक हजार से अधिक रन बनाए और 150 से ज्यादा विकेट लिए हैं। बता दें कि विजडन ने हर क्रिकेटर को मैच में उनके योगदान के आधार पर 'एमवीपी रेटिंग' दी थी। जडेजा को 97.3 एमवीपी रेटिंग मिली है और वह दुनिया के दूसरे सबसे उपयोगी खिलाड़ी बने हैं। पहले स्थान पर श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन हैं।

पंजाब किंग्स इलेवन के मालिक बोले- आईपीएल बदले अपना स्पांसर, हमें कोई दिक्कत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। किंग्स इलेवन पंजाब के सह मालिक नेस वाडिया ने इस महीने की शुरुआत में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच बढ़ते तनाव के कारण मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चीन की कंपनियों के प्रायोजन को धीरे-धीरे खत्म करने की मांग की। गलवान घाटी में 15 जून को 20 भारतीय सैनिकों की मौत के बाद चीन के उत्पादों के बहिष्कार की मांग लगातार जोर पकड़ रही है। बीसीसीआई ने चीन की कंपनियों द्वारा प्रायोजन की समीक्षा के लिए आईपीएल संचालन परिषद की बैठक बुलाई थी लेकिन अब तक यह हो नहीं पाई है। सोमवार को भारत के चीन की 59 ऐप को प्रतिबंधित कर दिया। वाडिया ने कहा- हमें देश की खातिर ऐसा (आईपीएल में चीन के प्रायोजकों से नाता तोडना) करना चाहिए। देश पहले है, पैसा बाद में आता है। और यह इंडियन प्रीमियर लीग है, चीन प्रीमियर लीग नहीं। इसे उदाहरण पेश करना चाहिए और रास्ता दिखाना चाहिए। हां, शुरुआत में प्रायोजक ढूंढना मुश्किल होगा लेकिन मुझे लगता है कि पर्याप्त भारतीय प्रायोजक मौजूद हैं जो उनकी जगह ले सकते हैं। हमें देश और सरकार का सम्मान करना चाहिए और सबसे महत्वपूर्ण सैनिकों को जो हमारे लिए अपना जीवन जोखिम में डालते हैं। बता दें कि चीन की मोबाइल फोन कंपनी वीवो आईपीएल की टाइटल प्रायोजक है। उन्होंने 2022 तक के करार के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को 2219 करोड़ रुपए दिए हैं। इसी तरह आईपीएल से जुड़ी कंपनियों पेटीएम, स्विगी और ड्रीम इलेवन में भी चीन की कंपनियों का निवेश है।

चीनी कंपनियों के बायकॉट मामले में सीएसके भी अंदरखाते राजी है। सीएसके के एक सूत्र का कहना है। शुरुआत में उनकी जगह लेना मुश्किल होगा लेकिन अगर देश के खातिर ऐसा किया जाता है तो हमें ऐसा करना चाहिए। एक अन्य टीम के मालिक ने कहा- सरकार को फैसला करने दीजिए, वे जो भी फैसला करेंगे हम उसे मानेंगे।

संक्षिप्त समाचार

एशियन कप 2027 की मेजबानी के पांच दावेदारों में भारत भी

नई दिल्ली । भारत ने एशियन कप 2027 फुटबॉल की मेजबानी के लिए दावेदारी की है। एशियाई फुटबॉल महासंघ ने बताया कि भारत समेत पांच देश मेजबानी की दौड़ में हैं। भारत के अलावा ईरान, कतर, सउदी अरब और उजबेकिस्तान भी मेजबानी का दावा पेश कर चुके हैं। एएफसी ने एक बयान में कहा- एएफसी अब सभी दावेदार संघों के साथ काम करेगी। तमाम पहलुओं की समीक्षा के बाद एएफसी एशियन कप के 19वें संस्करण के मेजबान का ऐलान 2021 में किया जाएगा। एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान बिन इब्राहिम अल खलीफा ने पांचों सदस्य देशों को एशियन कप की मेजबानी में रूचि दिखाने के लिए धन्यवाद दिया है। इन पांच देशों में से दो पहले भी 1956 से शुरू हुए इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। गत चैम्पियन कतर में 1988 और 2011 में यह टूर्नामेंट खेला गया था जबकि ईरान 1968 और 1976 में मेजबान रह चुका है। वह अपनी मेजबानी में दोनों बार खिताब जीतने वाला एशियाई फुटबॉल के इतिहास में एकमात्र देश है।

स्मिथ और वार्नर की वापसी से मजबूत है ऑस्ट्रेलिया, रोहित पर होंगी निगाहें : हस्सी

कोलकाता (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल हस्सी का मानना है कि रोहित शर्मा अपनी क्षमता और कौशल के दम पर इस साल के आखिर में होने वाले दौरे में आस्ट्रेलिया की मुश्किल परिस्थितियों में भी सफल हो सकते हैं। भारत को चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच ब्रिस्बेन में तीन दिसंबर से खेला जाएगा। हस्सी ने कहा- आस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में दुनिया के किसी भी बल्लेबाज की परीक्षा होती है लेकिन मेरा मानना है कि उसने (रोहित) एकदिवसीय क्रिकेट में शीर्ष क्रम में काफी मैच खेले हैं ।

उसे अब टेस्ट मैचों में भी सफलता मिली है और इससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान कहा- मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि उसके पास वह क्षमता और कौशल है जिससे वह वहां की परिस्थितियों में सफल हो सकता है। हस्सी का इसके साथ ही मानना है कि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर की वापसी से भारत के लिए आगामी श्रृंखला काफी मुश्किल होगी।

भारत ने 2018 में आस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीती थी तब स्मिथ और वार्नर प्रतिबंधित होने के कारण उसमें नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा- निश्चित तौर पर स्मिथ और वार्नर की वापसी से टीम मजबूत हुई है लेकिन दो साल पहले जो खिलाड़ी खेले थे तब वे पूरी तरह से तैयार नहीं थे।

बर्थ स्पैशल : डैरेन गॉफ को कहते थे 'नया बॉथम', डांसिंग में भी थे माहिर

जालन्धर । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज डैरेन गॉफ जिस लय से मैदान पर भागते थे, उसी लय में डांस फ्लोर पर भी थिरक लेते थे। बुधवार को 50 साल के होने वाले गॉफ ने 2005 में लीलिया कोप्पलोवा के साथ रियालिटी डांसिंग शो 'स्ट्रिकली कम डांसिंग' में हिस्सा लिया था। गॉफ ने जब इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत की तो उन्हें नया इयान बॉथम माना जाता था। गॉफ करियर के शुरुआती दौर में बतौर ऑलराऊंडर खेलने उतरते थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ डैब्यू टैस्ट में उन्होंने 10 चौकों की मदद से 65 रन और पहली पारी में 4 विकेट लेकर सबको चौका दिया। हालांकि गॉफ अपना ऑलराऊंडर करियर ज्यादा आगे नहीं बढ़ा पाए। 58 टैस्ट में भले ही वह 229 विकेट चटका चुके थे लेकिन उनके खाते में सिर्फ 855 ही रन थे। माना जाता है कि इंगलैंड के मजबूत ऊपरी क्रम के मजबूत होने के कारण गॉफ को कभी मौका ही नहीं मिला। गॉफ इंगलैंड के एक अन्य क्रिकेटर केविन पीटरसन के करीबी थे। यहां तक कि केविन की शादी में गॉफ बैस्ट मैन बने। घुटने की इंजरी से जूझने वाले गॉफ ने 2004 में ही इंगलैंड की ओर से वनडे में 200 विकेट पूरा करने वाले पहले क्रिकेटर बनने का गौरव हासिल किया था। गॉफ की अपनी पत्नी से ज्यादा नहीं पटी। इस दौरान गॉफ के इंग्लिश टैलीविजन पर्सनैलिटी एमी चाइल्ड के साथ अफेयर के चर्चे भी उठे थे। गॉफ के करियर की एक शानदार बात यह भी थे कि उन्होंने अपने टेस्ट क्रिकेट करियर के दौरान पहला और आखिरी विकेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जस्टिन लैंगर का निकाला। गॉफ ने रिटायरमैंट के बाद कहा था कि यह अच्छा लगता है कि टेस्ट करियर के इस पड़ाव में मैंने शुरुआत से लेकर अंत तक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को अपनी जेब में रखा।

बेन स्टोक्स क्या संभाल पाएंगे कप्तान, इंग्लैंड के कोच ने कही अहम बात

साउथम्पटन । इंग्लैंड के कोच क्रिस सिल्वरवुड का मानना है कि स्टार हरफनमौला बेन स्टोक्स वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 जुलाई से शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट में बेहतरीन कप्तान साबित होंगे। नियमित कप्तान जो रूट अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। इंग्लैंड के विश्व कप नायक स्टोक्स को मंगलवार को पहले टेस्ट के लिए रूट की जगह कप्तान बनाया गया। कभी प्रथम श्रेणी क्रिकेट में भी कप्तान नहीं रहे रूट पहली बार टीम की कमान संभालेंगे । सिल्वरवुड ने 'द गार्डियन' अखबार से कहा- मुझे लगता है कि वह शानदार कप्तान साबित होगा। वह मोर्चे से अगुवाई करता है। उसे अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना भी आता है। उन्होंने कहा- हमें पता है कि उसका आक्रामक स्वभाव है लेकिन उसे क्रिकेट की भी उतनी ही समझ है। मैं उसे हर तरह से मदद करूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि जोस बटलर इस मैच में इंग्लैंड के उपकप्तान होंगे।

कोविड-19 प्रोटोकॉल में खरे उतरने के बाद अटवाल टूर्नामेंट के लिए तैयार

डेट्रोएट (एजेंसी)। कोरोना वायरस की जांच में नेगेटिव पाए जाने के बाद भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल इस सप्ताह पीजीए टूर पर रॉकेट मोर्गेज क्लासिक टूर्नामेंट की तैयारी में जुट गए हैं। अटवाल ने कहा- यहां पहुंचते ही सबसे पहला काम टेस्ट कराना था। उसका नतीजा आने के बाद ही कहीं जा सकते हैं। मुझे कई घंटे इंतजार करना पड़ा लेकिन अब नतीजा आने के बाद काफी राहत महसूस कर रहा हूं। वह पहले दो राउंड मैट जोंस और माइकल थाम्पसन के साथ खेलेंगे। कम कैलोरी वाली चीजें ही खाई। अटवाल ने कहा- मैंने कड़ी मेहनत की है और 15 पाउंड वजन कम किया। मेंने अपने बेटे के साथ अभ्यास किया जो बास्केटबॉल खेलता है। मैंने खान पान में बदलाव करके कम कैलोरी वाली चीजें ही खाई।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस : कोरोना वॉरियर्स को कोहली-रोहित ने किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेटरों ने राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर उन डॉक्टरों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जो कोरोना महामारी के दौरान फ्रंटलाइन योद्धा के रूप में काम कर रहे हैं। कोहली ने ट्विटर पर लिखा- आज ही नहीं बल्कि रोज हमें अपने डॉक्टरों और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की भावना का जश्न मनाना चाहिए। इतने सारे लोगों की मदद करने के प्रति आपकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। मैं आपकी भावना और समर्पण को सलाम करता हूं। रोहित ने ट्विटर पर लिखा- हम सभी जानते हैं कि हमारे डॉक्टर्स ने हमारे कठिन समय में जो बलिदान और साहस दिखाया है, उनका वर्णन नहीं किया जा सकता है कि उनके प्रयासों का हमारे लिए क्या मतलब है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं। सभी नागरिकों से विनम्र अनुरोध है कि वे अपने प्रोटोकॉल का पालन करें और उनके लिए इसे आसान बनाएं। हार्दिक पांड्या ने एक वीडियो में कहा- उन सभी डॉक्टरों के लिए धन्यवाद जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुझे चोटों से उबरने में मदद की है जो एक पेशेवर एथलीट होने के साथ आते हैं। हर किसी के लिए बहुत कुछ है जो हमें शीर्ष आकार में रखने में मदद करता है। सुरेश रैना ने लिखा- हैप्पी नैशनल डॉक्टर्स डे। सब कुछ चल रहा है। यह पोस्ट हेल्थकेयर में काम रहे उस हरेक व्यक्ति की सराहना की है जो हमारे स्वास्थ्य को बचाने के लिए अपने स्वास्थ्य का बलिदान दे रहे हैं। हमारे डॉक्टर किसी भी चुनौती से निपटने में हमारी मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। इस साल हम आपके पहले से कहीं ज्यादा आभारी हैं। हमारे डॉक्टर किसी भी चुनौती से निपटने में हमारी मदद करने के लिए तैयार रहते हैं। इस साल हम आपके पहले से कहीं ज्यादा आभारी हैं। पर्दीवाला और अन्य सभी डॉक्टरों के प्रति आभारी हैं जिन्होंने मुझे अपने पूरे करियर में अपनी चोटों से उबरने में मदद की है। महामारी से जूझ रहे सभी चिकित्सा पेशेवरों के लिए एक विशेष उल्लेख है। आप जो लड़ रहे हैं। आप हमारे सच्चे नायक हैं।

कृणाल पंड्या तीन महीने बाद मैदान पर लौटे, बोले- अच्छा लग रहा है

नई दिल्ली । कोविड-19 महामारी के कारण अपने घर में रहने को मजबूर भारतीय आलराउंडर कृणाल पंड्या ने तीन महीने से अधिक समय बाद आउटडोर ट्रेनिंग शुरू की। हार्दिक पंड्या के बड़े भाई कृणाल ने 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। बड़ौदा के इस क्रिकेटर ने अपने वर्कआउट की तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया- मैदान पर दौड़ लगाकर दिन की शुरुआत की... एक बार फिर यहां आकर अच्छा लग रहा है। सभी अन्य क्रिकेटरों की तरह कृणाल भी 25 मार्च से अपने घर के अंदर रहने को मजबूर हैं जब सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल ठाकुर पिछले महीने ट्रेनिंग शुरू करने वाले बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त पहले खिलाड़ी बने थे जब उन्होंने महाराष्ट्र के पालघर जिले के बोइसर में नेट्स पर गेंदबाजी की थी। हाल में भारत के टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी राजकोट में नेट अभ्यास किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

''पहाड़ों का राजा'' डलहौजी

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले का डलहौजी खूबसूरत पर्यटन स्थल है। जो धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य स्थित है। समुद्र तल से 2036 मीटर की ऊंचाई पर पांच पहाड़ों -कठलौग,पोट्रेन,तेहरा, बकरोटा और बलुन पर कुदरत की खूबसूरती के कारण अमूल्य धरोहर बन गया है। तभी तो इसे ''पहाड़ों का राजा' कहा जाता है। इसे चंबा घाटी का प्रवेश द्वार माना जाता है। अंग्रेजों ने 1854 में इसे बसाया और तत्कालीन वायसराय लार्ड डलहौजी ने इसे विकसित किया। उन्हीं के नाम पर इसका नाम डलहौजी पड़ा। उस समय अंग्रेजी सैनिक और नौकरशाह यहां अपनी गर्मी की छुट्टियां बिताने आते थे। डलहौजी में कदम-कदम पर प्रकृति ने सुन्दरता के एक से बढ़कर एक नमूने बिखरा दिये हैं। ठंडी,भीनी-भीनी महकती हवाएं हर केसी का मन मोह लेती हैं। यहां के पहाड़,पेड़,दूर-दूर तक वादियों में फैली हरियाली के नजारे दिलों में बस जाते हैं। सर्दी के मौसम में बर्फ का मजा लिया जा सकता है। तब यहां का तापमान शून्य से नीचे चला जाता है। यहां दर्जनों ऐसे स्थल हैं, जहां सुकून के साथ कुछ समय बिताया जा सकता है। डलहौजी स्वतंत्रता के प्रमुख स्तंभ कहे जाने वाले कुछ अमर सेनानियों की यादें भी अपने में समेटे हुए है। सुभाष चंद्र बोस, सरदार अजीत सिंह और गुरु रवींद्र नाथ टैगोर ने अपने जीवन के कुछ पल यहां बिताये थे। ऐसे प्राकृतिक सौन्दर्य से ओतप्रोत और मनमोहक पिकनिक स्थलों पर एक नजर-

डेनकुंड: डलहौजी के मुख्य बाजार से 10 किलोमीटर दूर तथा समुद्र तल से 2745 मीटर की ऊंचाई पर बसे डेनकुंड से शहर का नयनाभिराम दृश्य दिखाई देता है। यहां पहुंचकर आसपास के पहाड़ों को देखने पर वे बौने से नजर आते हैं। हरीभरी धरती व कलरव करते पक्षियों की स्वछंदता यहां देखते ही बनती है। कलकल बहती रावी, चिनाब व व्यास नदियां ऐसी लगती हैं, मानो दो बहनें एक दूसरे से गले मिलकर अलग-अलग अपने गन्तव्य की ओर जा रही हैं। यहां अनुपम छटा देखने को मिलती है।

पंचपुला: यह स्थान प्राकृतिक सौंदर्य के लिए काफी मशहूर है। सैलानियों के लिए यह पंसदीदा जगह है। यहां का नाम यहां बहती 5 धाराओं पर बने 5 पुलों के कारण पड़ा। छोटी-छोटी पुलियों के नीचे से बहती 5 धाराएं मन को मोह लेती हैं। बड़े डाकघर से 2 किलोमीटर दूर इस स्थान पर सरदार भगत सिंह के चाचा अजीत सिंह की समाधि है।

कालाटोप: समुद्र तल से 2440 मीटर की ऊंचाई पर कालाटोप डलहौजी के मुख्य डाकघर से 8 किलोमीटर की दूरी पर एक खूबसूरत सैरगाह है। इसके चारों ओर देवदार के जंगल है। यहां से पहाड़ियों और घाटियों की छटा बहुत ही सुन्दर और स्पष्ट दिखाई देती है। यहां वन्य प्राणियों को स्वछंद विचरण करते देखा जा सकता है।

सतधारा: डलहौजी से पंचकुला जाते समय रास्ते में सतधारा चश्मा पड़ता है। 2036 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह चश्मा कई बातों के लिए मशहूर है। स्थानीय लोग इससे बीमारी ठीक होने की बात कहते हैं। कहा जाता है कि बहुत पहले यहां 7 धाराएं बहती थी, इसलिए इसका नाम सतधारा पड़ गया। अब एक ही धारा है। पर्यटकों की यहां अच्छी खासी भीड़ रहती है।

जंदरी घाट: प्रमुख डाकघर से मात्र दो किलोमीटर दूर बसे जंदरी घाट का शांत वातावरण शांतिप्रिय व्यक्तियों को काफी पसंद आता है। पाइन वृक्षों के जंगलों से घिरा यह एक खूबसूरत पिकनिक स्थल है। यहां चंबा राज्य के शासकों द्वारा बनवाए गए शाही महलों को भी देखा जा सकता है। यहां बना सेंट फ्रांसिस कैथोलिक र्चच भी दर्शनीय है।

खजियार: यह डलहौजी से 27 किलोमीटर दूर है। शहर में फैला 1.5 किलोमीटर लंबा और 1 किलोमीटर चौड़ा विशाल हरा-भरा मैदान यहां के प्रकृतिक सौन्दर्य की अनुपम छटा बिखेरता है।

बड़ा पत्थर: डलहौजी से 4 किलोमीटर की दूरी पर अहला गांव में मुलावनी माता का मंदिर है जिसके दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

सुभाष बावली: यह प्राकृतिक स्थल जी.पी.ओ. से एक किलोमीटर दूर स्थित है। यहां से बर्फ से ढकी चोटियों का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। आजाद हिंद फौज के कर्मठ नेता सुभाष चंद बोस के खिलाफ कलकत्ता के प्रेसीडेंसी जेल में विष देकर उन्हें मार देने का अंग्रेजों द्वारा सुनियोजित षड्यंत्र चलाया जा रहा था। जब ब्रिटिश सरकार को उनकी बीमारी की सूचना मिली, तब उन्हें पैरोल पर रिहा किया गया। नेता जी की याद में यहां सुभाष चौक बनवाया गया।

बकरोटा हिल्स: सैलानियों के लिए बकरोटा माल लोकप्रिय जगह है। यहां से पहाड़ी वादियों का खूबसूरत नजारा देखने को मिल जाता है। घूमने वालों

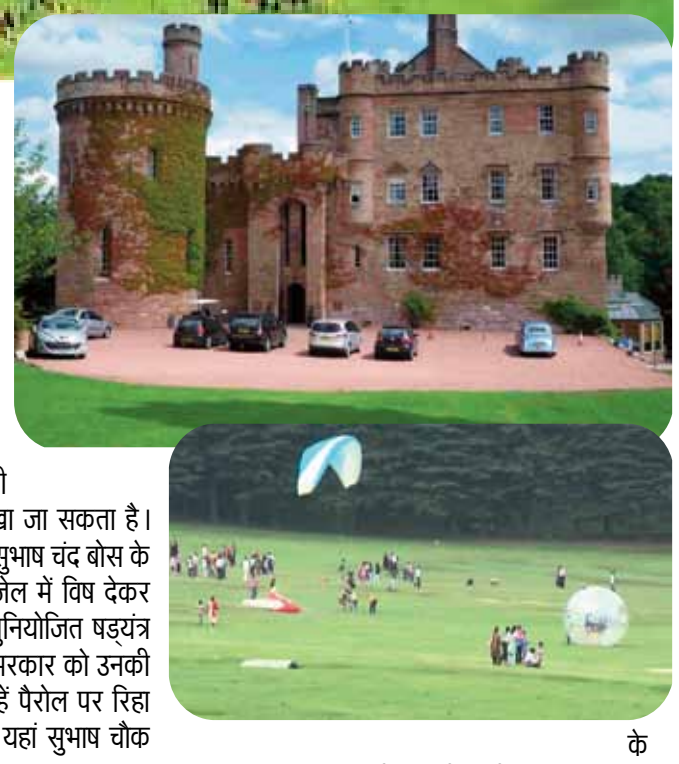

के लिए यह जगह पसंदीदा मानी जाती है। इसके अलावा यहां गोल्फ मैदान, खजियार झील, खजियार मंदिर मुख्य आकर्षण के स्थान हैं। स्थानीय देवता के मंदिर का ऊपरी हिस्सा सोने से मढ़ा है।

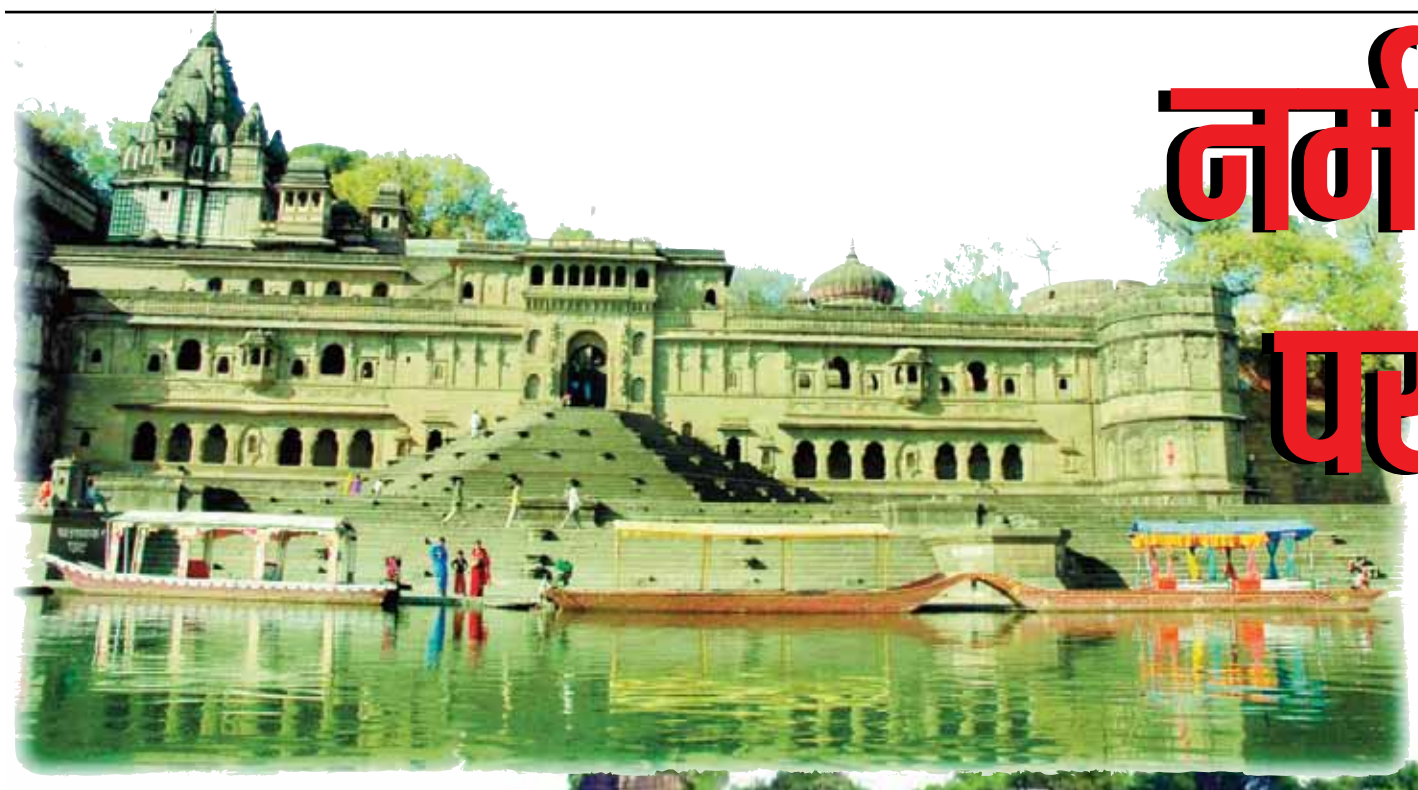

नर्मदा के उत्तरी तट पर बसा धाराजी

देश में काशी ज्ञानभूमि, वृंदावन प्रेमभूमि और नर्मदा तट को तपोभूमि माना जाता है। संत डोंगरेजी महाराज गंगा में स्थान करने, जमुना में आचमन करने और नर्मदा के दर्शन करने का समान फल मानते थे।

पौराणिक और दर्शनीय स्थल धावड़ी कुंड

मालवावासी जिसे धाराजी के नाम से जानते हैं, वह धावड़ी कुंड देवास जिले का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यहां संपूर्ण नर्मदा 50 फुट से गिरती है, जिसके फलस्वरूप पत्थरों में 10-15 फुट व्यास के गोल (ओखल के आकार के) गड्ढे हो गए हैं। बहकर आए पत्थर इन गड्ढों में गिरकर पानी के सहारे गोल-गोल घूमते हैं, जिससे घिस-घिसकर ये पत्थर शिवलिंग का रूप ले लेते हैं। ऐसा लगता है जैसे नर्मदा स्वयं अपने आराध्य देव को आकार देकर सतत उनका अभिषेक करती हो। इन्हें बाण या नर्मदेश्वर महादेव का नाम दिया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि धाराजी के स्वयंभू बाणों की प्राण-प्रतिष्ठा करना आवश्यक नहीं, ये स्वयंभू होकर प्राण-प्रतिष्ठित होते हैं। इसी धाराजी पर चैत्र की अमावस पर मालवा, राजस्थान तथा निमाड़वासियों का प्रतिवर्ष एक बड़ा मेला लगता है, जिसमें लगभग लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेते हैं। नर्मदाजी का यह सबसे बड़ा जलप्रपात वन प्रदेश में स्थित है। जलप्रपात से उत्तर में लगभग 10 कि.मी. पर सीता वाटिका, जिसे सीता वन भी कहते हैं, में सीता मंदिर भी स्थित है।

कहा जाता है कि यहा महर्षि वाल्मीकि का आश्रम था और सीताजी ने यहां निवास किया था। यहां पर 64 योगिनियों और 52 भैरवों की विशाल मूर्तियां भी हैं। समीप ही सीताकुंड, रामकुंड और लक्ष्मणकुंड हैं। सीताकुंड में हमेशा पेयजल उपलब्ध रहता है। सीता वाटिका से 16 कि.मी. पूर्व में कनेरी माता(जनश्रुति में जयंती माता) का मंदिर है, जिसकी तलहटी में कनेरी नदी बहती है, जिसमें विभिन्न रंगों की कनेर की झाड़ियां हैं।

यह स्थान पूर्णत: घने जंगल में से होकर यहां हिंसक पशुओं का वास भी है। सीतावाटिका से 6 कि.मी. की दूरी पर सीता खोह भी है, जिसके आसपास दुर्घटना से बचाव के लिए कंटीले तार लगा दिए गए हैं, जो इतनी गहरी है कि नीचे झांकने पर तलहटी नदी दिखाई देती है और पत्थर डालने पर आवाज नहीं आती है।

सीता वाटिका से लगभग 10 कि.मी. उत्तर में वनप्रदेश के रास्ते पोटला गांव (देवास जिला) से 1 कि.मी. की दूरी पर कावड़िया पहाड़ है।

जनश्रुति है कि महाभारतकाल में इस वन प्रदेश में पांडवों ने अज्ञातवास हेतु भ्रमण किया था और भीम ने 3 फुट व्यास के 10 से 30 फुट लंबी कॉलम-बीम आकार के लौह-मिश्रित पत्थर इकट्ठे किए थे, जो सात स्थानों पर सात पहाड़ियों के रूप में हैं। इन पहाड़ियों की ऊंचाई 40-45 फुट की है। प्रसिद्ध पुरातत्वविद प्रो. वाकणकर ने भी पहाड़ियों के इन पत्थरों का अनुसंधान किया था। भीम का उद्देश्य इन पत्थरों से सात महल बनाने का रहा होगा, ऐसा माना जाता है। नर्मदा परिक्रमा करने वाले धावड़ीकुंड से चल कर इन पौराणिक और दर्शनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए तरानीया, रामपुरा, बखतगढ़ होते हुए चौबीस अवतार जाते हैं। पुरातत्व, पर्यावरण, वनभ्रमण की दृष्टि से कावड़िया पहाड़, कनेरी माता, सीताखोह और धावड़ीकुंड (धाराजी) आकर्षण का केंद्र हैं, वही विहंगम दृश्यावलियों से पूर्ण पर्यटन स्थल है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गिलानी का हुर्रियत से अलग होना उनकी निराशा को दिखाता है : पुलिस महानिदेशक

कश्मीर(एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि सैयद अली शाह गिलानी का अलगाववादी संगठन हुर्रियत कांफ्रेंस से खुद को अलग करना उनकी निराशा और नकारात्मक रुख को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां लोगों को आतंकवादियों के उत्पीड़न और अत्याचार से राहत देने के लिए और अधिक इलाकों को आतंकवाद मुक्त करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन कश्मीर घाटी को आतंकवाद मुक्त करने के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई जा सकती क्योंकि पाकिस्तान लगातार आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा है। राजौरी जिले में महिला पुलिस थाने का उद्घाटन करने के मौके पर पुलिस प्रमुख ने पत्रकारों से कहा, आज खुद को हुर्रियत कांफ्रेंस से अलग कर दिया और उन्होंने अपने पत्र में स्वीकार किया कि गत वर्षों में जानमाल की भारी हानि हुई है एवं जिस उद्देश्य को वह पूरा करना चाहते थे उसमें वह असफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि गिलानी द्वारा यह स्वीकार करना कि हुर्रियत के साथ जुड़े लोगों ने इस मंच का इस्तेमाल निजी हित के लिए किया यह उनकी निराशा,अक्षमता, नकारात्मक सोच और नकारात्मक गतिविधि को प्रतिबिंबित करता है। उल्लेखनीय है कि 90 वर्षीय गिलानी जो पाकिस्तान समर्थक हुर्रियत कांफ्रेंस के जीवनपर्यंत अध्यक्ष थे, ने सोमवार को आश्चर्यजनक रूप से 16 संगठनों के इस मंच से खुद को अलग करने की घोषणा की थी। उन्होंने संगठन के सदस्यों में जवाबदेही की कमी और आपसी गुटबाजी का आरोप लगाया था।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में 26/11 जैसे आतंकी हमले की धमकी, महाराष्ट्र के गृहमंत्री ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ की बैठ

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को कहा कि उन्होंने मुंबई में ताज होटलों पर आतंकवादी खतरे के मद्देनजर पुलिस से राज्य में सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाने करने के लिए कहा है। देशमुख ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक सुबोध जायसवाल और मुंबई पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह के साथ बैठक की और बाद में कहा कि कराची स्टॉक एक्सचेंज पर हमले के बाद मुंबई में दो ताज होटलों पर हमले की धमकी मिली है। उन्होंने एक बयान में कहा कि मैंने राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए महाराष्ट्र के डीजीपी और मुंबई पुलिस प्रमुख दोनों के साथ विस्तार से चर्चा की। पुलिस ने बताया कि मुंबई में मंगलवार को द ताज महल पैलेस और ताज लैंड्स एन्ड होटलों के आसपास उस समय सुरक्षा बढ़ा दी गई जब एक अज्ञात शख्स ने फोन करके 26/11 की तरह हमले करने की धमकी दी। इस शख्स ने आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य होने का दावा किया। देशमुख ने बताया कि सोमवार देर रात एक पाकिस्तानी नंबर से होटलों पर हमले की धमकी के अलग-अलग फोन कॉल आए।

संदिग्ध हालात में जहर खाकर दी जान

साम्बा। विजयपुर की सलमेरी पंचायत के अधीन आते गांव पेखड़ी के एक व्यक्ति ने संदिग्ध हालात में कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। मृतक की पहचान 60 वर्षीय तरसेम लाल पुत्र इन्दरू राम निवासी पेखड़ी के रूप में हुई है। बताया गया कि यह व्यक्ति सुबह से ही घर से परेशानी की हालत में बाहर गया था। काफी देर तक जब यह गायब रहा तो पवरिजनों ने इसकी तलाश शुरू कर दी। बाद में किसी ने इसे खेतों में अचेत पड़े पाया तो परिजनों को सूचित किया। परिजनों ने लोगों के साथ मिलकर इसे विजयपुर के एमरजेंसी अस्पताल में पहुँचाया लेकिन डॉक्टरों द्वारा इसे मृत लाया घोषित कर दिया गया। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया व मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार; आरोपी गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित रूप से बलात्कार करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने सोमवार रात यौन उत्पीड़न की शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की। राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदम खोली ने बताया कि आरोपी को मामला दर्ज होने के 12 घंटे के भीतर मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता और किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत उस के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु: नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन में बॉयलर ब्लास्ट, 5 की मौत, 17 घायल

नई दिल्ली। देश में एक तरफ कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप जारी है तो दूसरी तरफ तमिलनाडु से एक धमाके की खबर सामने आ रही है। दरअसल नेवेली में नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (एनएलसी) में बॉयरल ब्लास्ट हुआ है जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई थी और 17 लोग घायल हो गए। एनएलसी के पास खुद की फायर बिग्रेड टीम है, जो हालात पर काबू पाने की कोशिश कर रही है. इसके साथ ही हालात का जायजा लेने के लिए कुड्डालोर जिला प्रशासन की एक टीम मौके पर पहुंच गई है।

भारतीय वायुसेना स्पाइस-2000 बम का अडवांस वर्जन खरीदने की बना रही योजना

नई दिल्ली। स्पाइस-2000, नाम याद है न आपको? जी हां हम उसी स्पाइस-2000 बम की बात कर रहे हैं, जिससे भारतीय वायुसेना ने के जांबाजों ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक के दौरान आतंकवादियों के कैंपों को तबाह किया था। आसमान से जमीन पर आकर अपने सटीक निशाने से लक्ष्य को तबाह करने में सक्षम और बेहद शक्तिशाली इन बमों के और एडवांस वर्जन खो खरीदने की भारत तैयारी कर रहा है। चीन से तनाव के बीच वायुसेना इमरजेंसी फाइनेशियल पावर का इस्तेमाल करते हुए इन बमों को खरीदने का प्लान बना रही है। स्पाइस-2000 बम 70 किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को तबाह कर सकता है। इसका नया वर्जन बैंकर्स और बेहद मजबूत शेल्टर्स की भी धज्जियां उड़ा सकता है। बालाकोट एयरस्ट्राइक में जिस वर्जन का इस्तेमाल किया गया था वह मजबूत शेल्टर्स और बील्डिंग में घुसकर तबाही मचाने में सक्षम है। इमर्जेंसी पावर के तहत नरेंद्र मोदी सरकार ने सेनाओं को 500 करोड़ रुपए तक का कोई भी हथियार खरीदने की छूट दी है। तीनों सेनाओं के वाइस चीफ को आवश्यक हथियारों की फास्ट ट्रैक प्रोसिजर के तहत हथियार उपकरण खरीद के लिए 500 करोड़ रुपए दिए गए हैं। सेनाओं को यह छूट पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के बाद दी गई है, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए। इसी तरह की वित्तीय खरीद की छूट सुरक्षाबलों को उड़ी हमले और पाकिस्तान के खिलाफ बालाकोट हवाई हमले के बाद दी गई थी। वायुसेना को सरकार की तरफ से दी गई इस छूट का सबसे ज्यादा फायदा मिला, जिसने बालाकोट के बाद स्पाइस-2000 एयर टू ग्राउंड मिसाइल, स्ट्रम अटाका एयर टू ग्राउंड मिसाइल समेत कई रक्षा उपकरणों की खराददारी की। भारतीय सेना ने इजरायली एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल के साथ ही अमेरिका से हथियारों की खरीद की। भारतीय सेना को इस तरह के फंड देना का मुख्य मकसद किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिए शॉर्ट नोटिस पर खुद को तैयार करना है।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पूर्व सीएम ने शिवराज पर कसा तंज,सिंधिया को लेकर कही बात

भोपाल(एजेंसी)।

ढ़ेर सारी विघ्न बाधाओं के बाद आखिरकार शिवराज मंत्रिमंडल के विस्तार को हरी झंडी मिल गई। अब गुरुवार को मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले नए चेहरे मंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। मंत्रिमंडल के विस्तार में हो रही देरी को लेकर पूर्व सीएम कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर तंज कसा है। पूर्व सीएम ने कहा कि इतिहास में पहली बार सरकार बनने के इतने समय बाद मंत्रिमंडल का विस्तार होने जा रहा है। इसके क्या कारण थे और इसके क्या क्या परिणाम होंगे यह आगे आने वाला समय बताएगा। भोपाल में मीडिया के सवालों का जबाव देते हुए पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि कैबिनेट विस्तार को लेकर शिवराज सरकार ने बहुत देरी कर दी है। इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है कि सीएम का पदभार ग्रहण करने के कई महीनों बाद कैबिनेट का विस्तार किया जा रहा हो। देरी के क्या कारण रहे और क्या परिणाम होगें, ये तो आने वाला समय ही बताएगा। वहीं उन्होंने सिंधिया भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी कर रहे हैं इस सवाल पर कहा कि कौन क्या कर रहा है इस पर मैं कुछ नहीं कहना चाहता। आपको बता दें कि आज उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन मध्य प्रदेश के कार्यवाहक राज्यपाल के तौर पर शपथ लेंगी इसके बाद गुरुवार को शिवराज के नए मंत्री शपथ ग्रहण करेंगे।

भारत में पूरी तरह से बंद हुआ टिकटॉक , कहा- सरकार के निर्देश का पालन

नई दिल्ली। टिकटॉक ने अब भारत में काम करना पूरी तरह से बंद कर दिया है। भारत सरकार द्वारा कल रात टिकटॉक सहित 59 चाइनीज ऐप्स पर प्रतिबंध लगने के बाद ऐप को और प्ले स्टोर दोनों से हटा दिया गया था। हालांकि, यह उन लोगों के फोन में काम कर रहा था, जिनके फोन में पहले से मौजूद था। लेकिन अब ऐप ने डेस्कटॉप वेबसाइट सहित सभी डिवाइस पर काम करना पूरी तरह से बंद कर दिया है और यूजर्स को प्रतिबंध के बारे में सूचित करने के लिए ऐप के अंदर एक यूजर मैसेज दिखाया जा रहा है। टिकटॉक ऐप जो पहले से फोन में मौजूद है, उसमें एक मैसेज दिख रहा है, जिसमें नेटवर्क एरर के साथ लिखा है, ÷प्रिय उपयोगकर्ता, हम 59 ऐप को ब्लॉक करने के लिए भारत सरकार ने निर्देश का अनुपालन करने की प्रक्रिया में है। भारत में हमारे सभी उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐप अब नए अनुशंसित वीडियो लोड नहीं करता है और इसके बजाय एक नेटवर्क त्रुटि दिखाता है। ऐसा लगता है कि ब्लॉक को कंपनी द्वारा लगातार किया जा रहा है, सरकार के निर्देशों का पालन करने के लिए वेबसाइट पर प्रतिबंध के उपयोगकर्ताओं को सूचित करने वाला एक संदेश है, और ध्यान दें कि डेवलपर्स इस मुद्दे को बेहतर ढंग से समझने और कार्रवाई करने के लिए सरकार के साथ काम कर रहे हैं।

गुजरात: सौराष्ट्र में आकाशीय बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। इस क्षेत्र में भारी बारिश दर्ज की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जामनगर जिले के लालपुर में रक्का गांव के खेत में आकाशीय बिजली गिरने से 35 वर्षीय एक महिला और उसके 12 वर्षीय बेटे की मौत हो गई जबकि देवभूमि द्वारका जिले के विरामदाद गांव में इसी तरह की एक अन्य घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इसी तरह की घटनाओं में बोटाद जिले के दो गांवों में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि मृतकों में पांच वर्षीय एक लड़का, उसका 60 वर्षीय दादा और 17 वर्षीय एक किशोरी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन लोगों शवों को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया है। सौराष्ट्र के कई हिस्सों, खासकर जामनगर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, राजकोट और भावनगर जिलों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, जामनगर के कलावाद में मंगलवार दोपहर केवल दो घंटे में सबसे अधिक 73 मिमी बारिश दर्ज हुई जबकि गिर सोमनाथ जिले के वेरावल और जामनगर जिले के ढोल में शाम चार बजे तक 48 मिमी बारिश हुई।

भारत के खिलाफ चीन-पाकिस्तान की साजिश, पाक में 20 हजार जवान तैनात!

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

लद्दाख में भारत-चीन के तनाव का फा.दा उठाते हुए पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान में रूष्ट के नजदीक सेना की दो डिविजनों को तैनात किया है। पाकिस्तानी सेना के रूष्ट के नजदीक लगभग 20 हजार सैनिकों की तैनाती की है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान बारत पर दबाव बनाने के लिए ऐसा कर रहा है ताकि वह चारों तरफ से उलझ जाए। आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तान यह सब चीन के इशारों पर कर रहा है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी अधिकारी चरमपंथी समूह अल बदर से बातचीत कर रहे हैं ताकि जम्मू-कश्मीर में हिंसा भड़काई जा सके और भारत का ध्यान बांटा जा सके। इससे साफ संकेत मिलते हैं कि चीन और पाकिस्तान आपस में मिले हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान ने जितने सैनिकों को तैनात किया है वह बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान की गई तैनाती से कहीं ज्यादा हैं। भारत को अब चीन और

पाकिस्तान के दो फ्रंट साथ ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से भी लड़ना होगा। सूत्रों के मुताबिक हाल के दिनों में चीन और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच कई बैठकें हुई हैं। जिसेक बाद पाकिस्तान ने 20 हजार सैनिक तैनात किए हैं।

आतंकी बरसा रहे थे गोलियां, जवानों ने बचाई 3 साल के मासूम की जान

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर में बुधवार को आतंकवादियों ने सुरक्षाकर्मियों के एक टीम पर हमला कर दिया, जिसमें सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया और एक अन्य नागरिक की जान चली गई। आतंकवादी हमले में दो अन्य जवान घायल भी हुए हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है जो दिल को झकझोर देने वाली है। दरअसल इस हमले में एक 60 साल के बुजुर्ग की भी मौत हुई। बशीर अहमद नाम के बुजुर्ग अपने 3 साल के नाती सोहेल की जिद्द की पर उसे बाजार लेकर आए थे। गोलीबारी के बीच बशीर को भी गोली लगी तो वह वहीं सड़क पर गिर पड़े। गोलीबारी के बीच मासूम सोहेल नाना के शव पर तब तक बैठा रहा जब तक पुलिसकर्मी ने उसे वहां से हटाया नहीं। सोहेल इस सबसे अंजान था कि क्या हुआ है, उसके नान सड़क पर क्यों गिर पड़े। जमीन पर खून से लथपथ नाना के शव के ऊपर सोहेल चुपचाप बैठा रहा। तभी इशारे से एक जवान ने सोहेल को अपने पास बुलाया। उस समय भी गोलीबारी चल रही थी। बच्चा नाना के शव से उठकर जवान के पास गया। इसके बाद दूसरे जवान ने बच्चे को उठाया और एनकाउंटर वाली जगह से दूर ले गया, ताकि बच्चा सुरक्षित रह सके। बच्चा काफी सहमा और डरा हुआ था और रोए जा रहा था। जवानों ने उसे बिस्कुट और चॉकलेट दिलवाई ।

कोरोना पर बोले केजरीवाल- दिल्ली में हालात काबू, सभी ने की हमारी मदद

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कोरोना को लेकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेस कर कहा कि पहले दिल्ली में 100 लोगों का कोरोना टेस्ट करते थे तो उसमें से 31 लोग कोरोना से पॉजिटिव पाए जाते थे। अब 100 लोगों के टेस्ट में केवल 13 कोरोना के मरीज ही पॉजिटिव आ रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि 1 महीने पहले 30 जून तक 60,000 ऐक्टिव केस का अनुमान था। मुझे खुशी है कि सिर्फ 26,000 ऐक्टिव केस ही हैं। सभी की एकजुटता और मेहनत से अब दिल्ली में स्थिति में सुधार है। दिल्ली में कोरोना को लेकर हालात अब काबू में हैं, सभी ने हमारी मदद की है। उन्होंने कहा कि 1 महीने पहले 30 जून तक 60,000 का एक्टिव केस का अनुमान था। मुझे खुशी है कि सिर्फ 26,000 एक्टिव केस ही हैं। सभी की एकजुटता और मेहनत से अब दिल्ली में स्थिति में सुधार हुआ है।

मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या 77 हजार पार, लगाई गई धारा 144

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में दो दिन तक कोरोना वायरस संक्रमण के दैनिक मामलों में कमी आने के बाद एक बार फिर इसका प्रकोप बढने लगा है तथा पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 18,653 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 5.85 लाख के पार पहुंच गया है और इसी अवधि में मृतकों की संख्या में 500 से अधिक की वृद्धि दर्ज किये जाने से यह आंकड़ा 17,400 पर पहुंच गया। वहीं कोरोना वायरस का मुंबई में कहर जारी है। 77 हजार संक्रमितों के बाद मुंबई में धारा 144 लागू कर दी गई है। जबकि यहां अब तक कुल 4556 लोगों की मौत हो चुकी है। इस आदेश में सिर्फ धार्मिक स्थलों को कुछ शर्तों के साथ छूट दी गई है। धारा 144 का आदेश जारी करने के साथ ही पुलिस कमिश्नर प्रणय अशोक ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण के 18,653 नये मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,85,493 हो गयी है। सोमवार और मंगलवार को संक्रमण के दैनिक मामलों में कमी दर्ज की गई थी। रविवार को जहां संक्रमण के 19,906 मामले दर्ज किए गए थे वहीं सोमवार को इससे थोड़े कम 19,459 मामले सामने आये तथा मंगलवार को 18,522 नये मामले सामने आये हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान इस संक्रमण से 507 लोगों की मौत हुई है जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 17,400 हो गयी है। दूसरी तरफ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और इसी अवधि में 13,157 रोगी ठीक हुए है, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 3,47,979 मरीज रोगमुक्त हो चुके हैं। बहरहाल देश में अभी कोरोना संक्रमण के 2,20,114 सक्रिय मामले हैं। कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 4878 मामले दर्ज किये गये और 245 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,74,761 और मृतकों की संख्या बढ़कर 7,855 हो गयी है। राज्य में 90911 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तमिलनाडु में पिछले कुछ दिन से कोरोना वायरस के मामलों में लगातार हो रही तेज वृद्धि से यह संक्रमण के मामले में देश भर में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में पिछले 24 घंटों में सक्रमितों की संख्या 3,943 बढ़कर 90,167 पर पहुंच गयी है और इसी अवधि में 60 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 1201 हो गयी है। राज्य में 50074 लोगों को उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है।

कोरोना का कहर- देश में एक दिन में 500 से ज्यादा मौतें, संक्रमितों की संख्या 5.85 लाख के पार

नेशनल डेस्क। देश में दो दिन तक कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद एक बार फिर इसका प्रकोप बढ़ने लगा है तथा पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 18,653 नए मामले सामने आए हैं जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 5.85 लाख के पार पहुंच गया है और इसी अवधि में मृतकों की संख्या में 500 से अधिक की वृद्धि दर्ज किए जाने से यह आंकड़ा 17,400 पर पहुंच गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 18,653 नए मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,85,493 हो गई है। सोमवार और मंगलवार को संक्रमण के दैनिक मामलों में कमी दर्ज की गई थी। रविवार को जहां संक्रमण के 19,906 मामले दर्ज किए गए थे वहीं सोमवार को इससे थोड़े कम 19,459 मामले सामने आए तथा मंगलवार को 18,522 नए मामले सामने आए हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान इस संक्रमण से 507 लोगों की मौत हुई है जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 17,400 हो गई है। दूसरी तरफ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और इसी अवधि में 13,157 रोगी ठीक हुए है, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 3,47,979 मरीज रोगमुक्त हो चुके हैं। बहरहाल देश में अभी कोरोना संक्रमण के 2,20,114 सक्रिय मामले हैं। कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 4878 मामले दर्ज किए गए और 245 लोगों की मौत हुई। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,74,761 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तमिलनाडु में पिछले कुछ दिन से कोरोना वायरस के मामलों में लगातार हो रही तेज वृद्धि से यह संक्रमण के मामले में देश भर में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुतिन के कार्यकाल को 2036 तक विस्तार देने वाले संशोधनों पर मतदान समाप्त

मास्को (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 2036 तक पद पर बने रहने का प्रावधान करने वाले संविधान संशोधन कानून पर जनता द्वारा मतदान की प्रक्रिया बुधवार को समाप्त होने जा रही है। संविधान संशोधन कानून के जरिये पुतिन का वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें छह छह साल के दो अतिरिक्त कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद मिलना तय है। कोरोना वायरस महामारी के कारण भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से पहली बार रूस में मतदान की प्रकिया एक सप्ताह तक चली है।संविधान में किए गए संशोधनों के लिए जनता को विश्वास में लेने के वास्ते पुतिन ने बड़े स्तर पर अभियान छेड़ा था। हालांकि यह जनमत संग्रह पुतिन के सत्ता पर काबिज रहने के मकसद से कराया जा रहा है लेकिन जनता को मतदान करने के लिए मनाने के वास्ते अपनाए गए गैर पारंपरिक तरीकों और इसकी वैधता संदिग्ध होने के चलते उनकी छवि खराब भी हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषक और क्रेमलिन के पूर्व राजनीतिक सलाहकार ग्लेब पाव्लोव्स्की ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे को दरकिनार कर पुतिन द्वारा मतदान कराया जाना उनकी संभावित कमजोरी को दर्शाता है। पाव्लोव्स्की ने कहा, पुतिन को अपने करीबियों का विश्वास हासिल नहीं है और वह इस बात को लेकर चिंतित हैं कि भविष्य में क्या होगा। वह इस बात को लेकर चिंतित हैं कि भविष्य में क्या होगा।

उन्होंने कहा, उन्हें इस बात का पुख्ता सबूत चाहिए कि जनता उनका समर्थन करती है। मतदान प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही उस गोपनीय और हैरत भरे माहौल पर भी विराम लगेगा जिसकी शुरुआत पुतिन द्वारा जनवरी में दिए गए उस भाषण से हुई थी जिसमें उन्होंने संविधान संशोधन का पहली बार प्रस्ताव दिया था।

कोरोना मरीजों की हृदय कोशिकाओं को कर सकता है संक्रमित : वैज्ञानिक

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)।

भारतीय मूल के अनुसंधानकर्ताओं समेत अन्य ने एक अध्ययन के जरिए दिखाया है कि कोरोना वायरस प्रयोगशाला में विकसित दिल की मांसपेशी की कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है। यह इस बात का संकेत देता है कि संभव है कि यह वायरस सीधे कोविड-19 मरीजों के दिल को संक्रमित करता हो।यह अध्ययन प्रयोगशाला में विकसित की गई हृदय की मांसपेशियों की कोशिकाओं पर किए गए प्रयोगों पर आधारित है जिन्हें मानव की स्टेम कोशिकाओं से तैयार किया गया था। अमेरिका के सिडार-सिनई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स रीजेनरेटिव मेडिसिन इंस्टीट्यूट के अरुण शर्मा इस अध्ययन के सह लेखक हैं। उन्होंने कहा, हमने न सिर्फ यह पाया कि स्टेम कोशिकाओं से तैयार ये हृदय कोशिकाएं कोरोना वायरस से संक्रमित होने के प्रति अति संवेदनशील हैं बल्कि यह भी देखा कि वायरस हृदय की मांसपेशी कोशिकाओं के भीतर जल्दी से विभाजित भी होने लगता है। उन्होंने कहा, और भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह था कि संक्रमित हृदय कोशिकाओं में संक्रमण के 72 घंटे बाद धड़कने की उनकी क्षमता में परिवर्तन देखा गया। वैज्ञानिकों का कहना है कि कोविड-19 के कई मरीजों को हृदय संबंधी समस्या आती है लेकिन इन लक्षणों के कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहले से मौजूद दिल की कोई समस्या या संक्रमण के कारण होने वाली सूजन और ऑक्सीजन की कमी, इन सभी कारणों को इसमें शामिल किया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बारे में बहुत सीमित साक्ष्य उपलब्ध हैं कि कोरोना वायरस (सार्स-सीओवी-2) दिल की प्रत्येक मांसपेशी कोशिकाओं को सीधे-सीधे संक्रमित करता है। वर्तमान अध्ययन दिखाता है कि सार्स-सीओवी-2 मानव स्टेम कोशिकाओं से तैयार की गई हृदय कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है और इन कोशिकाओं में मौजूद जीन प्रोटीन बनाने में कैसे मदद करते हैं।

संरा ने ईरान की गतिविधियों पर व्यक्त किया असंतोष

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी),।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि ईरान ने पश्चिम एशिया को नष्ट करने के लिए पारंपरिक हथियारों के अपने शस्त्रागार का उपयोग करना जारी रखा है तथा पूरे क्षेत्र में घोर सांप्रदायिक हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।श्री गुटेरेस के हवाले से मंगलवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, ईरान ने जानबूझकर यह दावा करते हुए दुनिया को गुमराह किया था कि पिछले सितंबर में हुए हमले के लिए हाउती विद्रोही जिम्मेदार थे । बयान में कहा गया है कि नवंबर 2019 और फरवरी 2020 में यमन के तट से जब्त हथियार और संबंधित सामग्री ईरानी मूल की थी। इन वस्तुओं को ईरान के बाहर जब्त किया गया था जो ईरान की ओर से हथियारों के निषेध के उल्लंघन का संकेत है। बयान में इस बात का भी जिक्र है कि ईरान किस तरह से सुरक्षा परिषद तथा हथियार निषेध के नियमों का उल्लंघन करते हुए सीरिया, लेबनान, इराक, यमन और बहरीन समेत पश्चिम एशिया तथा छद्म समूहों और आतंकवादी संगठनों को हथियार उपलब्ध कराता है।बयान में कहा गया है कि ईरान से प्रतिबंधों को तब तक नहीं हटाया जाना चाहिए जब तक कि यह अपने व्यवहार में एक विश्वसनीय बदलाव का प्रदर्शन नहीं करता है।

भारत के बाद अमेरिका ने दिया चीन को बड़ा झटका, हुआवे और जेडटीई पर लगाया बैन

वाशिंगटन/नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत की चीन पर डिजिटल स्ट्राइक के बाद अमेरिका ने भी बड़ी कार्रवाई करते हुए चीन की कंपनियों हुआवे और जेडटीई को राष्ट्रीय खतरा बताया है और कहा है कि देश की कंपनियों को इन दोनों कंपनियों के उपकरण हटाने होंगे। वायरस की महामारी को विश्व भर में फैलाने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन पर लगातार हमलावर हैं और इसी कड़ी में उन्होंने दोनों कंपनियों पर कार्रवाई की है।यूएस फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन(एफसीसी) ने मंगलवार को 5-0 से मतदान कर चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी हुआवे और जेडटीई को राष्ट्रीय खतरा बताया है। यही नहीं ट्रंप सरकार ने अमेरिकी कंपनियों को उपकरण खरीदने के लिए मिलने वाले 8.3 अरब डॉलर के फंड को भी रोक दिया है।एफसीसी ने एक बयान में स्पष्ट शब्दों में कहा है कि दूरसंचार कंपनियों को अपने बुनियादी सुविधा ढांचे से इन दोनों चीनी कंपनियों के उपकरणों को हटाना होगा। बयान में कहा गया है कि अमेरिका, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को अमेरिकी सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं करने देगा।भारत के बाद अमेरिका ने दिया चीन को बड़ा है कि भारत ने रविवार रात

टिकटॉक समेत 59 चीनी ऐप को प्रतिबंधित कर दिया । भारत ने यह कदम गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों के चीनी सैनिकों के साथ 15-16 जून की रात को हुए संघर्ष के बाद उठाया जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गये थे।भारत के चीनी ऐप पर रोक के बाद चीन ने इसे बेहद चिंताजनक बताया है और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की दुहाई देने लगा है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भी उठने लगी टिकटॉक पर प्रतिबंध की मांग

वाशिंगटन। भारत में टिकटॉक समेत 59 चीनी ऐप पर प्रतिबंध की चर्चा अमेरिका में भी हो रही है और कुछ सांसद इसका समर्थन कर रहे हैं। इन सासंदों ने अमेरिकी सरकार से इस पर विचार करने की अपील की है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि छोटे छोटे वीडियो शेयर करने वाले ऐप किसी भी देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। भारत ने सोमवार को टिकटॉक, यूसी ब्राउजर समेत 59 चीनी ऐप को यह कहते हुए प्रतिबंधित कर दिया कि यह देश की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता के लिए नुकासनदेह हैं। यह प्रतिबंध लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के, चीनी सैनिकों के साथ चल रहे गतिरोध के बीच लगाया गया है। इन प्रतिबंधित ऐप की सूची में वीचैट और बिगो लाइव भी शामिल हैं। रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने द वाशिंगटन पोस्ट में छपी एक खबर को टैग करते हुए अपने ट्वीट में कहा, '' खूनी झड़प के बाद भारत ने टिकटॉक और दर्जनों चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया।'' वहीं रिपब्लिकन पार्टी के ही सांसद रिक क्रोफोर्ड ने कहा, '' टिकटॉक को जाना ही चाहिए और इसे तो पहले ही प्रतिबंधित कर देना चाहिए था।'' पिछले सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि चीनी सरकार टिकटॉक का इस्तेमाल अपने उद्देश्यों के लिए कर रही है। अमेरिकी संसद में कम से कम वैसे दो विधेयक लंबित हैं जिनमें संघीय सरकारी अधिकारियों को अपने फोन पर टिकटॉक का इस्तेमाल करने से रोकने के प्रावधान हैं। इससे लगता है कि भारत के कदम के बाद अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध की मांग जोर पकड़ सकती है।

चीन में कोरोना संक्रमण के 83,534 मामले

बीजिंग। चीन में मंगलवार को कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के तीन नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 83,534 पर पहुंच गयी।स्वास्थ्य आयोग ने बुधवार को अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि तीनों घरेलू मामले बीजिंग के है। आयोग के अनुसार मंगलवार को इस संक्रमण से कोई मौत नहीं हुई।मंगलवार को 10 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। कल तक देश में कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या 83534 पहुंच गई जिनमें से 421 मरीजों का इलाज चल रहा है और सात की हालत गंभीर है।आयोग ने कहा अब तक कुल 78,479 बीमारी से ठीक हो चुके है और इससे अब तक 4,634 लोगों की मौत हो चुकी है।आयोग के अनुसार मंगलवार तक चीन में बाहर से आये मामलों की संख्या 1,918 थी। इनमें से 1,839 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई तथा 79 मरीज अभी अस्पताल में भर्ती है। बाहर से आये मामलों में कोई मौत नहीं हुई है।उन्होंने कहा कि शंघाई में मंगलवार को बाहर से आये दो संदिग्ध मामले सामने आये है। आयोग के अनुसार मरीजों के करीबी संपर्क में आये 6479 लोगों को चिकित्सा निगरानी के बाद 703 लोगों को मंगलवार छुट्टी दे दी गई।

नहीं माना चीन, विवादास्पद हांगकांग सुरक्षा कानून किया पारित-आज से होगा लागू

हांगकांग (एजेंसी)।

चीन ने हांगकांग के लिए विवादास्पद सुरक्षा कानून को मंगलवार को सर्वसम्मति से पारित कर दिया जो न केवल विदेशी ताकतों के साथ अलगाव, तोड़फोड़ और मिलीभगत का अपराधीकरण करेगा बल्कि प्रभावी ढंग से विरोध प्रदर्शन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाएगा। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने बताया कि बुधवार से लागू होने वाले कानून को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस स्टैंडिंग कमेटी (एनपीसीएससी) के 162 सदस्यों ने महज 15 मिनट के भीतर मंजूरी दे दी। कमेटी की बैठक सुबह नौ बजे शुरू हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक कानून हांगकांग में सुरक्षा एजेंसियों की स्थापना और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों की निगरानी के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए मुख्य कार्यकारी की अध्यक्षता वाली समिति को अधिकार प्रदान करेगा। मुख्य कार्यकारी की देख-रेख केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी और नये कानून को मौजूदा हांगकांग कानून के तहत अपनाया जाएगा। सूत्रों ने एससीएमपी को बताया कि स्थायी समिति के 162 सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से कानून को सुबह 9 बजे शुरू होने वाली बैठक के 15 मिनट के भीतर पारित कर दिया गया। हांगकांग के केवल कुछ प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय विधायिका को कानून के मसौदे को पारित होने से पहले देखा। स्थिति से परिचित एक सूत्र ने सिन्हुआ को बताया कि दोपहर में इसका विवरण साझा किया जाएगा और पहली बार कानून को पूरी तरह से जनता के सामने पेश किया जाएगा।राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के संबंध में एक विधेयक पिछले महीने पेश किया गया था। बीजिंग और हांगकांग दोनों नेतृत्व ने कहा था कि कानून को लागू करने का उनका पूरा अधिकार है। इसके बावजूद कानून के खिलाफ घरेलू विरोध प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय आलोचना देखने को मिला।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़कर हुए 2,13,470

इस्लामाबाद। एक जुलाई (भाषा) पाकिस्तान में पिछले चौबीस घंटे में कोरोना वायरस के 4,133 नए मामले सामने आए जिसके बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,13,470 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि देश में अब तक कोविड-19 के 1,00,802 मरीज ठीक हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि पिछले चौबीस घंटे में संक्रमण से 91 लोगों की जान जा चुकी है जिसके बाद कोविड-19 से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,395 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार 2,741 अन्य मरीजों की हालत नाजुक है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कोविड-19 के सर्वाधिक 84,640 मामले सामने आए हैं। इसके अलावा पंजाब में 76,262, खैबर पख्तूनख्वा में 26,598, इस्लामाबाद में 12,912, बलूचिस्तान में 10,476, गिलगित बल्तिस्तान में 1,489 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 1,093 मामले सामने आए हैं।

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने कहा- भारत पर प्रधानमंत्री ओली के आरोप बेबुनियाद

काठमांडू (एजेंसी)।

भारत पर सरकार गिराने की साजिश के आरोप लगाने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कुर्सी खतरे में है। मंगलवार को सत्तारूढ़ एनसीपी के तमाम सीनियर लीडर्स ने प्रधानमंत्री से फौरन इस्तीफा देने को कहा। ओली ने सफाई देने की कोशिश की, लेकिन इसका असर होता नहीं दिखा। ओली पर आरोप हैं कि उनकी सरकार के ढुलमुल रवैये के कारण चीन ने नेपाल की कई हेक्टेयर जमीन पर कब्जा कर लिया। उन पर भारत से रिश्ते खराब करने के आरोप भी लग रहे हैं। नेपाल के अखबार 'द हिमालयन टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग के दौरान ओली अकेले पड़ते नजर आए।

पार्टी उपाध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कहा- यह सरकार हर मोर्चे पर नाकाम साबित हुई। प्रधानमंत्री एक बार फिर भारत विरोधी कार्ड खेलने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ नेताओं ने आरोप लगाया कि ओली नाकामी छिपाने के लिए गलत हथकंडे अपना रहे हैं और ध्यान बांटने की कोशिश कर रहे हैं।

सभी बड़े नेता एकजुट

एनसीपी के तमाम बड़े नेता इस मीटिंग में मौजूद थे। माधवी कुमार नेपाल, झालानाथ खनाल और बामदेव गौतम जैसे सीनियर लीडर्स ने प्रचंड की मांग का समर्थन करते हुए ओली से इस्तीफा देने को कहा। इन नेताओं ने कहा- प्रधानमंत्री पद की गरिमा होती है। ओली ने जिस तरह के आरोप (भारत पर) लगाए हैं, उसके बाद उन्हें पद पर रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।यह संसद के सम्मान के भी खिलाफ है। यह संसद के सम्मान के भी खिलाफ है। नेताओं ने कहा- प्रधानमंत्री बिना सबूतों के आरोप लगा रहे हैं। यह सहन नहीं किया जा सकता।

धार्मिक संस्था का सवाल- जनता के पैसे से गैर-मुस्लिमों के लिए मंदिर क्यों?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहला मंदिर बनाए जाने का विरोध शुरू हो गया है। मजहबी शिक्षा देने वाले संस्थान जामिया अशर्फिया ने मंगलवार को कहा- मंदिर निर्माण इस्लाम के खिलाफ है। इस संस्थान ने मंदिर बनाने के खिलाफ फतवा भी जारी कर दिया। पिछले हफ्ते ही मंदिर की नींव रखी गई थी। प्रधानमंत्री इमरान खान ने इसके लिए 10 करोड़ रुपए की मंजूरी भी दी थी। जामिया अशर्फिया की लाहौर यूनिट के प्रमुख मुफ्ती जियाउद्दीन ने कहा- अल्पसंख्यक समुदायों के धार्मिक स्थलों की मरम्मत पर सरकारी धन खर्च करने की अनुमति है, लेकिन गैर-मुस्लिमों के लिए मंदिर या नए धार्मिक स्थल बनाने की मंजूरी नहीं दी गई है। लोगों के टैक्स के पैसे को अल्पसंख्यकों के लिए मंदिर निर्माण में खर्च करना सरकार के फैसले पर सवाल खड़े करता है। वहीं, अल्पसंख्यक सांसद लाल चंद मल्ही ने कहा- विरोध की परवाह नहीं है, मंदिर निर्माण जारी रहेगा। इस्लामाबाद में हिंदुओं की आबादी करीब 3 हजार है। इस बीच, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मंदिर निर्माण के खिलाफ एक याचिका पर कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, यह योजना राजधानी के लिए तैयार मास्टर प्लान के तहत नहीं आती है। 27 जून को इमरान ने धार्मिक मामलों के मंत्री पीर नूर उल हक कादरी के साथ बैठक के बाद प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। 27 जून को इमरान ने धार्मिक मामलों के मंत्री पीर नूर उल हक कादरी के साथ बैठक के बाद प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इस दौरान अल्पसंख्यक नेता लाल चंद मल्ही, शुनीला रूथ, जेम्स थॉमस, डॉ. रमेश वांकवानी और जय प्रकाश उकरानी मौजूद थे।

मास्को में कोविड-19 से अब तक 3831 लोगों की मौत

मास्को । मास्को में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से 35 लोगों की मौत होने से रूस की राजधानी में इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3831 हो गई है।मास्को के कोरोना वायरस प्रतिक्रिया केंद्र ने मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक मास्को में कोरोना संक्रमण के 745 नये मामले दर्ज किए गए। पिछले एक सप्ताह के दौरान कोरोना संक्रमण के नये मामलों में 31 फीसदी की कमी आई है।इससे एक दिन पहले भी मास्को में कोविड-19 के कारण 35 लोगों की मौत हुई थी। मास्को में अब तक कोरोना संक्रमण के 2,21,598 मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि 1,50,397 मरीज ठीक भी हुए हैं। पिछले एक सप्ताह के दौरान कोरोना संक्रमण के नये मामलों में 31 फीसदी की कमी आई है।इससे एक दिन पहले भी मास्को में कोविड-19 के कारण 35 लोगों की मौत हुई थी। मास्को में अब तक कोरोना संक्रमण के 2,21,598 मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि 1,50,397 मरीज ठीक भी हुए हैं।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा- कराची स्टॉक एक्सचेंज पर हुए हमले के लिए भारत जिम्मेदार

इस्लामाबा (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि कराची स्टॉक एक्सचेंज पर हुए हमले के लिए भारत जिम्मेदार है। सोमवार को हुए इस हमले में 9 लोग मारे गए थे और 7 घायल हुए थे। इसमें हमला करने आए 4 आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, इमरान खान ने संसद में कहा कि बेशक स्टॉक एक्सचेंज पर हुए आतंकी हमले में भारत की भी भूमिका थी। हालांकि, हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान आर्मी ने ली थी। हमले के लिए एक गाड़ी में 4 आतंकी आए थे। उनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक और एक 47 राइफल बरामद की गई थीं। पिछले साल कराची में चीनी दूतावास पर हुए हमले की भी इन्होंने जिम्मदारी ली थी। उस हमले में भी इसी तरह गाड़ी का इस्तेमाल किया गया था। प्रधानमंत्री से पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया था कि हमले की जिम्मेदारी लेने वाले बलूच आर्मी का भारत से सीधा संबंध है। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि कुरैशी का बयान बेतुका है। आरोप हम पर नहीं लगा सकता। दुनिया के किसी भी हिस्से में आतंकवाद की आलोचना करने में भारत नहीं झिझकता है। पाकिस्तान अपनी घरेलू समस्याओं का आरोप हम पर नहीं लगा सकता। दुनिया के किसी भी हिस्से में आतंकवाद की आलोचना करने में भारत नहीं झिझकता है।

50 साल में दुनिया से 14.26 करोड़ महिलाएं लापता हुईं, इनमें से 4.58 करोड़ अकेले भारत की हैं

संयुक्त राष्ट्र । दुनियाभर में पिछले 50 साल में 14.26 करोड़ महिलाएं लापता हो गईं। इनमें से एक तिहाई, यानी 4.58 करोड़ महिलाएं सिर्फ भारत की हैं। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक लापता महिलाओं की संख्या चीन और भारत में सबसे ज्यादा है। यूएनएफपीए की 'वैश्विक आबादी की स्थिति 2020' रिपोर्ट में बताया गया है कि 50 साल में लापता महिलाओं की संख्या दोगुनी हो गई है। 1970 में यह 6.10 करोड़ थी, जो 2020 में 14.26 करोड़ हो गई। 2020 तक भारत में 4.58 करोड़ और चीन में 7.23 करोड़ महिलाएं लापता हुईं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी डॉक्टरों को शुभकामनाए

कोरोना काल में सभी डॉक्टरों ने सच्चेत अर्थ में देवदूत के समान कार्य किया: मुख्यमंत्री

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (नेशनल डॉक्टर्स डे) के अवसर पर कोरोना संक्रमण के मौजूदा हालात में कोरोना वॉरियर्स के रूप में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे चिकित्सकों की सेवाओं की सराहना करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से सभी चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया है। रूपाणी ने कहा कि कोरोना के संकट काल में सभी डॉक्टरों ने सच्चे अर्थ में देवदूत के समान कार्य किया है और लोगों की रक्षा कर उन्हें जीवन दान दिया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि हम डॉक्टरों को संक्षेप में डीआर (क्त) कहकर संबोधित करते हैं। वर्ष 2020 में वास्तव में वे हमारे सर्वाधिक डियर यानी कि स्वजन साबित हुए हैं। इन सभी डॉक्टरों ने लोगों की वेदना को समझकर संवेदना से भरपूर व्यवहार प्रदर्शित किया है। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा में डॉक्टरों को बहुत सी असुविधा हुई होगी लेकिन वे अपनी जिम्मेदारी निभाने से चूके नहीं और लाखों लोगों की जिंदगी बचाने के लिए उन्होंने दिन–रात एक किया है, उसका ऋण स्वीकार करने का यह दिवस है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीई किट पहनकर आठ घंटे की ड्यूटी करना आसान बात नहीं है, लेकिन आज डॉक्टर आठ की जगह बारह और सोलह घंटे तक मानव सेवा कर सच्चे अर्थ में प्रभु सेवा ही कर रहे हैं जो सराहनीय है।

डॉक्टरों का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण की स्थिति में यदि डॉक्टरों का साथ और सहयोग नहीं होता तो कोरोना के खिलाफ जंग में गुजरात निर्विवाद रूप से इतना अच्छा कार्य कभी नहीं कर पाता।

गुजरात में 675 नए केसों के साथ कोरोना की संख्या पहुंची 33318 पर

24 घंटों में राज्य में 21 मरीजों की मौत, 368 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हुए

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद/सुरत. गुजरात में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

खासकर अहमदाबाद के बाद अब सूरत में भी कोरोना ने रफ्तार पकड़ ली है।

पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 215 और सूरत में 201 समेत राज्यभर में कोरोना पॉजिटिव के 675 नए केस सामने आए हैं। जबकि 368 लोग स्वस्थ हुए हैं और 21 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा दूरदराज के क्षेत्र, शहरी इलाके और महानगर पालिका क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं घर निकट उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से धन्वंतरी स्वास्थ्य रथ की शुरुआत की गई है।

इन रथों के द्वारा लोगों का बुखार, शर्दी, दस्त, डायाबिटिश, बीपी, चर्म रोग इत्यादि के निदान और प्राथमिक उपचार किया जाता है।

धन्वंतरी स्वास्थ्य रथ में एक डॉक्टर, नर्स, स्टाफ नर्स, लेब टेक्निशियन और ड्राइवर शामिल हैद्य फिलहाल राज्य में कुल 992 टीमें विभिन्न जिलों में कार्यरत हैं और अब तक इन टीमों द्वारा 10 लाख से ज्यादा लोगों को विभिन्न सुविधाएं मुहैया करवाई गई हैंद्य इन रथों में आयुर्वेदिक समेत होमियोपैथिक दवाइयों वितरण किया जाता हैद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के 675 नए केस सामने आए हैं, जिसमें अहमदाबाद में 215 और सूरत में 201 केस दर्ज हुए है।

वडोदरा में 57, नवसारी में 24, जामनगर में 22, भरुच में 15, वलसाड में 15, बनासकांठा में 12, मेहसाणा में 10, राजकोट में 15, खेडा में 9, गांधीनगर में 16, आणंद में 8, जूनागढ़ में 7, पंचमहल में 5, साबरकांठा में 5, मोरबी में 4, भावनगर में 6, अरवल्ली में 3, कच्छ में 3, अमरेली में 3, पाटन में 2, महीसागर में 2, बोटाद में 2, दाहोद में 2, छोटाउदेपुर में 2, नर्मदा में 1, गिर सोमनाथ में 1 मामला सामना आया है।

इस दौरान अहमदाबाद में 8, सूरत में 5, राजकोट में 1, भरुच में 1, अरवल्ली में 1, बनासकांठा में 1, खेडा में 1, अमरी में 1, दाहोद में 1 और देवभूमि द्वारका समेत कुल 21 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 380640 टेस्ट किए गए हैं।

जिसमें 33318 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएद्य जिसमें 24038 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चूके हैं और 1869 मरीजों ने अब तक दम तोड़ दिया।

शेष 7411 कोरोना पॉजिटिव मामलों में 7348 मरीजों की हालत स्थिर है और 63 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

आज की तारीख में राज्य में 250357 लोग

गुजरात आरोग्य,परिवार और कल्याण विभाग के मुख्य सचिव डॉ.जयंतीरवि और मनपा कमिश्नर बंचानिधि पानी सुरत के अलग–अलग क्षेत्रों में कोविड–19 चल रही कार्यवाहीका निरीक्षण किया और कतारगाम,नदु डोशीकी वाडी, अमरोली –रधुवीर सोसायटी, वराछा सुदामा चोक अनेक स्थल का मुलाकात भी किया.

महिला के भेष में हाईवे पर वाहन चालकों को लूटने वाला गिरोह धरा गया

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद, एलसीबी पुलिस ने हाईवे पर महिला के भेष में वाहन चालकों को लूटने वाले गिरोह के 4 शख्सों को घातक हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लियाद्य पकड़े गए आरोपी कई मामलों में वांटेड हैं।

दरअसल अहमदाबाद ग्रामीण समेत राज्य के अन्य जिलों में पिछले कुछ समय से हाईवे पर लूट की घटनाएं बढ़ती देख वरिष्ठ अधिकारियों ने एलसीबी को आरोपियों को पकड़ने का आदेश दिया था।

इस बीच एलसीबी ने पूर्व सूचना के आधार पर हाईवे पर वाहन चालकों को लूटने वाले गिरोह के आमद सिंधी, अल्लारखा सिंधी, भूरा सिंधी और गनी सिंधि नामक चार आरोपियों को दबोच लिया।

पकड़े गए आरोपियों के पास से घातक हथियार भी पुलिस ने बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी महिला के भेष में हाईवे पर रात्रि के दौरान गुजरते वाहनों को रोक लूट चलाते और जरूरत पड़ने पर हत्या भी कर देते थे। पकड़ा गया आमद सिंधि 5 मामलों में वांटेड है। उसके साथी भी अन्य कई अलग अलग मामलों में वांटेड हैं। एलसीबी के मुताबिक गिरोह अब तक कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है और पूछताछ में कई और खुलासे होने की संभावना है।

राज्य के कलाकारों को प्रचार–प्रसार के कार्यक्रम देकर कोरोना वॉरियर बनाएं : कांग्रेस

अहमदाबाद, गुजरात कांग्रेस ने सरकार से राज्य के कलाकारों को प्रचार–प्रसार के प्रोग्राम देकर उन्हें कोरोना वॉरियर बनाने की मांग की हैद्य गुजरात कांग्रेस के महासचिव डॉ. हिमांशु पटेल ने कहा कि गुजरात समेत विश्वभर में कहर बरपाने वाले कोरोना और उसके बाद लॉकडाउन ने सभी वर्गों की हालत दयनीय हो गई है।

श्रमिक जैसे सामान्य व्यक्ति से लेकर कलाकारों की आर्थिक स्थित बदहाल है।

केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा सत्ता स्वार्थ के लिए कलाकारों को प्रचारलक्षी आयोजन शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनावी जंग जीतने के लिए जनता को गुमराह करने के बजाए राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के छोटे–मोटे कार्यक्रम द्वारा

प्रचार–प्रसार करने वाले कलाकारों को रोजगारोन्मुख आर्थिक सहायता करेद्य हिमांशु पटेल ने कहा कि कोरोना महामारी ने गुजरात समेत देशभर में जनजीवन छिन्न भिन्न कर दिया है।

जिसमें राज्य में खासकर राज्य सरकार के विजन के साथ जनहित योजनाओं का प्रचार–प्रसार करते छोटे कलाकार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

पिछले पांच महीने से गरीब और जरूरतमंद कलाकारों और उनके परिवार के खबर अंतर पूछने भी सरकार या उसका कोई मंत्री ने नहीं गया।

राज्य सरकार द्वारा प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न योजनाएं अमल में हैं, जो कोरोना महामारी के कारण करीब करीब बंद होने से नाम मात्र के कार्यक्रम अपने करीबियों को दे दिए जाते हैं। जिससे पांच महीनों से घर पर बैठे कलाकार और उनके परिवार जीवन निर्वाह मुश्किल हो गया है। ऐसी स्थिति में ऐसे कलाकारों को रोजगारोन्मूख आर्थिक सहायता देकर उन्हें कोरोना वॉरियर बनाया जाना चाहिए।

मामी के साथ नाजायब संबंधों में बाधक बड़े भाई की छोटे भाई ने हत्या कर दी

क्रांति समय (सुरत)

बनासकांठा, जिले के हाथ.ावाडा गांव में मामी के साथ नाजायज संबंधों बाधक बड़े भाई की छोटे भाई ने हत्या कर दी।

हत्या करने के बाद लाश जला दी और उसकी हड्डियां नहर में फैंक दीं।

सबसे छोटे भाई की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मृतक के भाई,मामी और उसके पुत्र को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की थराद तहसील के जाणदी गांव निवासी सवदास कानजी पटेल के हाथ.ावाडा गांव निवासी उसकी मामी धुडी रखा पटेल के साथ नाजायज संबंध थे।

मामी–भांजे के नाजायज संबंध

में बड़ा भाई शिवदास पटेल सबसे बड़ी बाधा थाद्य जिससे धुडी और सवदास ने शिवदास को रास्ते हटाने की योजना बनाई।

इसके अंतर्गत 19 जून को शिवदास के अपनी मामी के घर हथवाडा पहुंचने धुडी पटेल ने फोन कर सवदास पटेल को बुला लिया।

जहां घर के आंगन में सो रहे शिवदास पर कुल्हाडी से चार–पांच वार कर उसे मौत के घाट उतार दियाद्य बाद में सवदास,

धुडी और उसके पुत्र दिलीप ने शव को बोरी में भरा और खेत ले गएद्य जहां जीरे की डालियों में लाश रखकर उसे जला दी। बाद में हड्डियां वामी गाम के निकट से बहती नर्मदा कैनाल में बहा दी।

दूसरी ओर दो दिन तक बड़े भाई शिवदास के नहीं लौटने पर सबसे छोटे भाई अशोक पटेल समेत परिजनों ने स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दीं।

पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर घटनास्थल तक पहुंच गई और पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। अशोक पटेल की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सवदास पटेल, धूडी पटेल और उसके पुत्र दिलीप पटेल को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

रथयात्रा को लेकर विवादित पोस्टर लगाने के आरोप में चार गिरफ्तार

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद, गुजरात हाईकोर्ट की रोक के चलते 23 जून को अहमदाबाद में रथयात्रा नहीं निकाली गई। इस घटना को लेकर शहर के वस्त्रापुर में विवादित पोस्टर लगाए गए थे। इस मामले में सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पुलिस ने चार शख्सों को गिरफ्तार किया है और पकड़े गए चारों शख्स कांग्रेस कार्यकर्ता होने का खुलासा हुआ है। दरअसल राज्यभर में सबसे अधिक कोरोना के मामले में अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं, जिसे देखते हुए गुजरात हाईकोर्ट ने अषाढी दूज को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा पर रोक लगा दी थी। जिसे लेकर श्रद्धालुओं समेत साधु–संत नाराज हो गए थें। उनका कहना था कि यदि उडीसा के पुरी में भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा निकल सकती है तो अहमदाबाद में क्यों नहीं? लेकिन कहीं कहीं राज्य सरकार के आयोजन के अभाव के कारण यह संभव नहीं हो पाया।

इस घटना को लेकर शहर में कई जगह पोस्टर लगाए गए। जिसमें लिखा गया ''किया विश्वासघात, माफ नहीं करेंगे जगन्नाथ'', ''हिन्दू ठेकेदारों के राज में महंत मांगें मौत'', राम के नाम पर मांगे वोट जगन्नाथ के लिए मन में क्यों है खोट? ऐसे विवादित पोस्टर लगाने के आरोप में पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार विराम देसाई समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में शख्सों ने कहा कि रथयात्रा के साथ धार्मिक भावनाएं जुड़ी है, इसलिए उन्होंने पोस्टर लगाए। पकड़े चारों लोग कांग्रेस कार्यकर्ता होने का खुलासा हुआ है। फिलहाल पुलिस चारों से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है हाईकोर्ट से मंजूरी नहीं मिलने पर मंदिर परिसर में रथयात्रा का आयोजन किया गया था। बाद में मंदिर के महंत दिलीपदास ने आरोप लगाया था

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)